हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 225 बेमेतरा, गुरुवार 09 अप्रैल 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

बिजनेसमैन के बेटे ने बाइक पर चढ़ाई मिनी कूपर कार, 23 साल की लड़की की मौत

पणजी। नॉर्थ गोवा में तेज रफ्तार लग्जरी कार (मिनी कूपर) ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे फाइव स्टार होटल की 23 वर्षीय महिला कर्मचारी की मौत हो गई जबकि उसका पुरुष सहकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया। कार एक बिजनेसमैन का बेटा चला रहा था। पुलिस ने 22 वर्षीय डेरियस डायस को इस दुर्घटना के संबंध में गिरफ्तार किया है। यह हादसा रात पणजी के पास डोना पाउला इलाके में हुआ। महिला कर्मचारी उसका पुरुष सहकर्मी नाइट शिफ्ट पूरी करने के बाद घर लौट रहे थे। इसी दौरान मिनी कूपर कार चला रहे डायस ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार दोनों लोग दूर जा गिरे। बाइक पर पीछे बैठी दीक्षा परवडकर को एक प्राइवेट अस्पताल ले जाए जाने पर मृत घोषित कर दिया गया, जबकि उसके सहकर्मी डी. अरुण कुमार (26) की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि दोनों एक फाइव स्टार होटल में कार्यरत थे। दीक्षा फ्रंट डेस्क कार्यकारी के रूप में काम कर रही थी, जब यह घटना हुई तब वह काम से लौट रही थी। इस मामले में एक अहम बात यह भी सामने आई है।

सात चुनावी सभा सहित पीएम मोदी बंगाल में 14 चुनावी कार्यक्रमों में ले सकते हैं भाग

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चुनावी रण देखने लायक है। हर ओर चुनाव प्रचार का शोर है। जहां देखों वहां सुबह, दोपहर, शाम व रात नेता वोट मांगते दिखे रहे हैं। इल राज्य में दो चरणों में होने वाले विधानसभा चुनावों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सप्ताह 9 अप्रैल से शुरू होने वाले सात चुनावी कार्यक्रमों में शामिल हो सकते हैं। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य समिति के एक सदस्य ने बताया, प्रधानमंत्री मोदी के अब तक तय हुए संभावित कार्यक्रम के अनुसार, 9 अप्रैल को वह पश्चिम बर्दवान जिले के आसनसोल, बीरभूम जिले के सूरी और पूर्वी मिदनापुर जिले के हल्दिया में एक के बाद एक तीन बड़ी चुनावी रैलियों को संबोधित कर सकते हैं।

40 दिन बाद थमी अमेरिका-ईरान की जंग

दोनों देश 2 हफ्ते के सीजफायर का ऐलान-होर्मुज भी खुला

नई दिल्ली/ एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच की जंग 2 हफ्तों के लिए रुक गई है. दोनों देश 2 हफ्तों के सीजफायर के लिए राजी हो गए हैं. कुछ घंटों पहले यह धमकी देने के बाद कि आज रात एक पूरी सभ्यता मर जाएगी, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने ईरान के साथ दो हफ्ते का युद्ध-विराम (सीजफायर) कर ली है. इससे पहले वे ईरान के बिजली घरों और पुलों पर हमले की धमकी दे रहे थे, लेकिन अब उन्होंने उस खतरे से पीछे हटने का फैसला किया है. ईरान की तरफसे भी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने सीजफायर पर मुहर लगाई है. डोनाल्ड ट्रंप ने यह युद्ध-विराम अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर घोषित किया. उन्होंने कहा कि उन्होंने पाकिस्तान की तरफसे दिया गया प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है. इस प्रस्ताव में कहा गया है कि दो हफ्ते तक लड़ाई रोक दी जाए और होर्मुज जलडमरूमध्य को तुरंत खोल दिया जाए. ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इन दो हफ्तों के समय का इस्तेमाल ईरान के साथ अंतिम समझौता करने के लिए करेगा. यानी इन दो हफ्तों में बातचीत होगी. उन्होंने लिखा, ऐसा करने का कारण यह है कि हम अपने सभी सैन्य लक्ष्यों को पहले ही पूरा कर चुके हैं और उनसे भी आगे बढ़ चुके हैं. साथ ही हम ईरान के साथ लंबे समय की शांति और पूरे मध्य पूर्व में शांति के लिए एक पक्का समझौता करने के बहुत करीब हैं. ट्रंप ने यह भी कहा कि वॉशिंगटन को तेहरान से 10 बिंदुओं का प्रस्ताव मिला है

और इसे बातचीत शुरू करने के लिए अच्छा आधार माना जा रहा है. उन्होंने कहा, हमें ईरान से 10 बिंदुओं का प्रस्ताव मिला है और हमें लगता है कि बातचीत करने के लिए यह एक सही आधार है. लेकिन इस घोषणा के साथ एक शर्त भी रखी गई. ट्रंप ने कहा कि यह युद्ध-विराम तभी होगा जब इस्लामी गणराज्य ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह, तुरंत और सुरक्षित तरीके से खोलने के लिए राजी हो. ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान पोस्ट करके युद्ध-विराम स्वीकार करने की बात कही. उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री शरीफकी ट्वीट में की गई भाईचारे वाली अपील के जवाब में, और अमेरिका द्वारा उसके 15 बिंदुओं वाले प्रस्ताव के आधार पर बातचीत की मांग को देखते हुए, साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा ईरान के 10 बिंदुओं वाले प्रस्ताव के सामान्य ढांचे को बातचीत का आधार मानने की घोषणा को ध्यान में रखते हुए, मैं ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की ओर से यह घोषणा करता हूं: अगर ईरान पर हमले रुक जाते हैं, तो हमारी शक्तिशाली सशस्त्र सेनाएं अपनी रक्षात्मक कार्रवाई रोक देंगी. उन्होंने आगे कहा, दो हफ्तों की अवधि के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित आवाजाही संभव होगी।

सीजफायर के कुछ ही घंटों बाद कोहराम! यूएई और कुवैत पर बरसीं मिसाइलें

पश्चिम एशिया में जारी महाजंग के बीच बुधवार सुबह अमेरिका और ईरान के बीच जिस सीजफायर का ऐलान हुआ था, वह चंद घंटों के भीतर ही लड़खड़ाता नजर आ रहा है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच 40 दिनों से चल रही जंग को रोकने के लिए 15 दिनों के युद्धविराम पर सहमति बनी थी लेकिन ताजा घटनाक्रमों ने इस शांति समझौते पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत ने दावा किया है कि उन पर ईरान की ओर से मिसाइल और ड्रोन हमले किए जा रहे हैं। यूएई सरकार के आधिकारिक बयानों के अनुसार, ईरान की ओर से अभी भी मिसाइलें दागी जा रही हैं। यूएई ने स्पष्ट किया कि उसका एयर डिफेंस सिस्टम इन हमलों का जवाब देने और मिसाइलों को आसमान में ही नष्ट करने में सक्षम है हालांकि उन्होंने हमलों के सटीक स्थान का खुलासा नहीं किया है।

इन्फ्लेशन 4.6प्रतिशत पर बरकरार

आरबीआई ने रेपो रेट में फिर नहीं किया कोई बदलाव.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने नए वित्त वर्ष की अपनी पहली मौद्रिक नीति समिति में ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करने का फैसला किया है। गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय एमपीसी ने सर्वसम्मति से रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और रुपये की कमजोरी को देखते हुए केंद्रीय बैंक ने फिलहाल सतर्क रुख अपनाया है। दिसंबर 2025 में आखिरी बार दरों में कटौती के बाद

से आरबीआई 'वेट एंड वॉच' की रणनीति पर काम कर रहा है, ताकि पहले किए गए नीतिगत बदलावों का असर अर्थव्यवस्था पर पूरी तरह दिख सके। इस बार भी एमपीसी ने अपना 'न्यूट्रल' स्टांस बरकरार रखा है, जिससे संकेत मिलता है कि बैंक भविष्य में परिस्थितियों के अनुसार लचीले तरीके से फैसले लेगा। संजय मल्होत्रा ने कहा कि घरेलू स्तर पर महंगाई फिलहाल नियंत्रण में है, लेकिन वैश्विक स्तर पर सप्लाई बाधाएं और ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी आगे जोखिम पैदा कर सकती है। आरबीआई का मुख्य लक्ष्य महंगाई को टिकाऊ रूप से 4 प्रतिशत के आसपास बनाए रखना और आर्थिक विकास को समर्थन देना है। उन्होंने यह भी बताया कि मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष और ऊर्जा ढांचे को नुकसान के कारण 'सप्लाई शॉक' जैसी स्थिति बनी हुई है।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने मां कामाख्या मंदिर में की पूजा-अर्चना

गुवाहाटी। झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन असम के गुवाहाटी स्थित मां कामाख्या मंदिर में पूजा-अर्चना कर समस्त झारखंड वासियों की सुख, समृद्धि, शांति, उन्नति एवं उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर मंदिर के पुजारियों ने पूरे विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा संपन्न कराई। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने माता रानी के चरणों में शीश झुकाकर नमन करते हुए राज्य के सर्वांगीण विकास एवं जनकल्याण की प्रार्थना की। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि एक बार पुनः मुझे माता रानी के दरबार में आने का अवसर प्राप्त हुआ है। मां कामाख्या की कृपा से झारखंड निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर हो यही मेरी कामना है।

बीजेपी के आगे झूके मल्लिकार्जुन खरगे!

पहले गुजरातियों को बताया बेवकफ अब मांगी माफी....

नई दिल्ली/ एजेंसी

केरल में विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच गुजराती समुदाय के लोगों पर दिए गए अपने बयान को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने माफी मांगी है। इस दौरान उन्होंने कहा है कि उनके बयान को जानबूझकर कर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है, इसके बावजूद भी वह खेद व्यक्त करते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने लिखा कि मेरे एक चुनावी भाषण के कुछ बयानों को जानबूझकर गलत तरीके से पेश

किया जा रहा है। फिर भी, मैं अपनी तरफसे जिम्मेदारी के साथ खेद व्यक्त करता हूं। अपने सोशल मीडियो में मल्लिकार्जुन खरगे ने आगे लिखा कि गुजरात के लोगों के प्रति मेरे मन में हमेशा ही सर्वोच्च सम्मान रहा है और हमेशा रहेगा। वहां के लोगों की भावनाओं को आहत करना मेरा कभी उद्देश्य नहीं था। बता दें कि बीते दिनों केरल में चुनाव प्रचार करते हुए खरगे ने एक रैली को संबोधित किया था, जहां पर उन्होंने पीएम मोदी पर निशाना साधा था। हालांकि, इस दौरान उन्होंने गुजरात के लोगों का जिक्र किया, जिससे काफी विवाद हुआ। खरगे ने कहा था कि मोदी जी, आप गुजरात के अनपढ़ लोगों को बेवकूफ बना सकते हैं, लेकिन केरल के लोगों को बेवकूफ नहीं बना सकते। कांग्रेस अध्यक्ष के इस बयान का भाजपा के नेताओं ने व्यापक निंदा की थी।

सीजेआई को मोबाइल लेकर पहुंचना पड़ा कोर्ट

बोले-जिंदगी में पहले कभी ऐसा नहीं किया

नई दिल्ली। कोर्ट में मोबाइल फोन का इस्तेमाल आम तौर पर अच्छा नहीं माना जाता। भारत के मुख्य न्यायाधिश सूर्यकांत सोमवार को कोर्ट में अपना मोबाइल फोन लेकर पहुंचे। चीफजस्टिस ने इसका जिक्र करते हुए खुद कहा कि उनकी जिंदगी में ऐसा पहली बार हुआ है कि उन्हें अपने साथ मोबाइल लेकर अदालत में आना पड़ा है। सीजेआई ने बताया कि उन्हें एसआईआर प्रक्रिया के सिलसिले में कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के कुछ मैसेजों को पढ़ना था। अपने मोबाइल नंबर पर भेजे गए मैसेज को पढ़ते हुए मुख्य

न्यायाधीश ने मुस्कुराते हुए कहा कि दरअसल, मुझे अभी याद आया कि मैं पहली बार अदालत में मोबाइल फोन ला रहा हूं। मैं अपने जीवन में कभी नहीं लाया। सुनवाई जारी रहने पर उपस्थित वकीलों ने मुस्कुरा दिया।

महाठग सुकेश चंद्रशेकर को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जमानत मिली

नई दिल्ली। महाठग सुकेश चंद्रशेखर को राउज एवेन्यू कोर्ट से जमानत मिल गई है। गौरतलब है कि सुकेश पर आरोप हैं कि उसने तमाम लोगों को करोड़ों का चूना लगाया है और ठगी के मामलों में उसका दिमाग बहुत तेज चलता है। उसका नाम बॉलीवुड से लेकर अन्य बड़े सोशल सर्किल में भी चर्चा में रह चुका है। महाठग सुकेश चंद्रशेखर को पीएमएलए (मनी लॉन्ड्रिंग) मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने जमानत दे दी है। यह मामला दो पत्ती चुनाव चिह्न (एआईएडीएमके के चुनाव चिन्ह से जुड़ा कथित रिश्वत/धोखाधड़ी केस) से जुड़ा है। हालांकि सुकेश चंद्रशेखर अभी जेल में ही रहेगा। उसके खिलाफ कुल 31 केस दर्ज हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा

धर्म में अंधविश्वास क्या है.... इसका फैसला करने का हमें अधिकार; सरकार का विरोध

नई दिल्ली। सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से जुड़े 2018 के फैसले के बाद सुप्रीम कोर्ट अब धर्म के भीतर अंधविश्वास की परिभाषा तय करने के अधिकार क्षेत्र पर विचार कर रहा है। बुधवार को एक नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष हुई सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने यह महत्वपूर्ण अवलोकन किया कि किसी धर्म में कौन सी प्रथा अंधविश्वास है, यह तय करने का अधिकार और अधिकार क्षेत्र रखता है।यह टिप्पणी केंद्र सरकार की उस दलील के जवाब में आई, जिसमें सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि एक धर्मनिरपेक्ष अदालत इस मुद्दे पर फैसला नहीं कर सकती, क्योंकि न्यायाधीश कानून के विशेषज्ञ होते हैं, न कि धर्म के। मेहता ने तर्क दिया कि यदि कोई प्रथा अंधविश्वास मानी भी जाती है, तो यह तय करना अदालत का काम नहीं है, बल्कि संविधान के अनुच्छेद 25(2)(बी) के तहत विधायिका का काम है कि वह सुधार कानून बनाए। उन्होंने कहा कि विधायिका किसी विशेष प्रथा को अंधविश्वास बताकर उसमें सुधार कर सकती है, जैसा कि जादू-टोना और अन्य ऐसी प्रथाओं

को रोकने के लिए कई कानून बनाए गए हैं।हालांकि, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने मेहता के इस तर्क को बहुत सरल बताते हुए कहा कि अदालत के पास यह तय करने का अधिकार और अधिकार क्षेत्र है कि कोई चीज अंधविश्वास है या नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके बाद क्या होगा, यह विधायिका का काम है, लेकिन अदालत में यह नहीं कहा जा सकता कि विधायिका का निर्णय ही अंतिम होगा। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने यह भी तर्क दिया कि एक धर्मनिरपेक्ष अदालत यह तय नहीं कर सकती कि कोई धार्मिक प्रथा केवल अंधविश्वास है, क्योंकि अदालत के पास ऐसी विद्वत्तापूर्ण क्षमता नहीं हो सकती। उन्होंने कहा 'आप (न्यायाधीश) कानून के क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं, धर्म के नहीं।

कैबिनेट ने इन पांच बड़े फैसलों को दी मंजूरी

राजस्थान में लगेगी एचपीसीएल की रिफाइनरी जयपुर मेट्रो फेज-2 को सरकार ने दी मंजूरी....

नई दिल्ली। देश के विकास को नई रफ्तार देने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कुल 1,74,207 करोड़ रुपये के पांच बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन फैसलों में जयपुर मेट्रो फेज-2, किसानों के लिए खाद सब्सिडी, एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी और अरुणाचल प्रदेश के दो बड़े हाइड्रो की परियोजनाएं भी शामिल हैं। सरकार ने जयपुर मेट्रो फेज-2 को 13,038 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी है। यह 41 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर होगा जिसमें 36 स्टेशन बनेंगे और यह प्रहलादपुरा से टोडी मोड तक जाएगा। वहीं, खरीफ 2026 के लिए 41,534 करोड़ रुपये की खाद सब्सिडी भी मंजूर की गई है। इससे किसानों को डीएपी और अन्य उर्वरक सस्ती कीमत पर मिलेंगे और खेती की लागत कम होगी। आइए, सरकार द्वारा सभी लिए गए फैसलों पर नजर डालते हैं। और आसान भाषा में समझने की कोशिश करते हैं। जयपुर मेट्रो फेज-2 शहर के ट्रांसपोर्ट सिस्टम

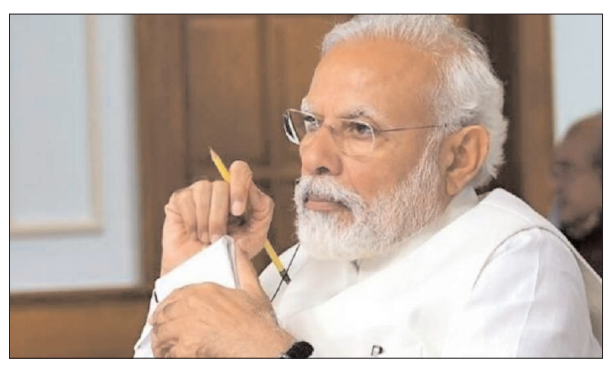

को पूरी तरह बदलने वाली परियोजना मानी जा रही है। यह 41 किलोमीटर लंबा नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर होगा, जो प्रहलादपुरा से टोडी मोड तक जाएगा। इस रूट में 36 स्टेशन होंगे और यह शहर के बड़े इलाकों जैसे एयरपोर्ट, सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया, टोंक रोड और एसएमएस अस्पताल को जोड़ेगा। इससे लोगों को तेज, सस्ता और आसान सफर मिलेगा। इस परियोजना का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि शहर में ट्रैफिक जाम कम होगा और प्रदूषण भी घटेगा। अभी मेट्रो के पहले चरण में रोज करीब 60 हजार लोग सफर करते हैं, लेकिन फेज-2 आने के बाद यह संख्या कई गुना बढ़ने की उम्मीद है। यह परियोजना 2031 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है और इससे जयपुर को आधुनिक शहर बनाने में मदद मिलेगी। 41 किमी लंबा मेट्रो कॉरिडोर 36 स्टेशन और बड़े इलाकों से कनेक्टिविटी ट्रैफिक और प्रदूषण में कमी रोजाना यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी 2031 तक पूरा करने का लक्ष्य सरकार ने खरीफ 2026 सीजन के लिए 41,534 करोड़ रुपये की न्यूट्रिएंट बेस्ड सब्सिडी को मंजूरी दी है। यह सब्सिडी फॉस्फेटिक और पोटाश उर्वरकों पर दी जाएगी, जिसमें डीएपी और एनपीके जैसे खाद शामिल हैं।

दूतावास ने जारी की नई एडवाइजरी

जल्द से जल्द ईरान छोड़ें सभी भारतीय

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में तेजी से बदलते घटनाक्रमों और सुरक्षा चुनौतियों के बीच, भारत सरकार ने ईरान में रह रहे अपने नागरिकों के लिए एक नई और अत्यंत महत्वपूर्ण एडवायजरी जारी की है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने 8 अप्रैल 2026 को सभी भारतीय नागरिकों से अपील की है कि वे वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए जल्द से जल्द ईरान से बाहर निकल जाएं। यह कदम क्षेत्र की अस्थिर स्थिति और नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उठाया गया है। यह नई एडवायजरी अमेरिकी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' में दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा के तत्काल बाद आई है। भारतीय दूतावास ने स्पष्ट किया है कि नागरिकों को इस समय का उपयोग सुरक्षित निकासी के लिए करना चाहिए।

नशे से संबंधित जानकारी के लिए मानस पोर्टल एवं 1933 टोल फ्री नंबर पर दें सकते हैं सूचना

अवैध नशीले पदार्थों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे एवं प्रभारी पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता पाल की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले में नशीले पदार्थों की रोकथाम एवं उनके दुष्प्रभावों से समाज को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से जिला स्तरीय समन्वय समिति (एनसीओआरडी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर एवं प्रभारी पुलिस अधीक्षक ने विद्यालय एवं कॉलेज स्तर पर नशामुक्ति जागरूकता अभियान संचालित करने, विद्यार्थियों को सेमीनार, पोस्टर, रैली के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देने तथा नशे से संबंधित किसी भी सूचना के प्राप्त होने पर संबंधित विभागों को अवगत कराने के निर्देश दिए। विद्यालय एवं कॉलेज परिसरों के आसपास शराब एवं अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री एवं सेवन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। नशे की लत से प्रभावित बच्चों एवं परिवारों को रेस्क्यू के उपरांत पूछताछ, चिकित्सकीय उपचार तथा शासन की विभिन्न योजनाओं से जोड़कर पुनर्वास किए जाने हेतु महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग को समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। आरोपियों एवं आदतन पीड़ितों की मेडिकल जांच एवं उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दिए। इसके साथ ही धारा 52 (2) के अंतर्गत कार्रवाई के दौरान जब्त नशीले पदार्थों के साथ-साथ संबंधित वाहनों की भी जब्ती सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित विभाग को दिए हैं। नशे से संबंधित जानकारी को हेल्पलाइन 1933 एवं मानस पोर्टल पर दे सकते है सूचना - नशे से संबंधित किसी भी सूचना को तुरंत राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन के टोल-फ्री नंबर 1933 पर दे सकते है। इसके साथ ही मानस पोर्टल https://www.ncbmanas.gov.in और ई-प्लेज https://www.narcoordindia.gov.in/narcoordindia/epledge&php के माध्यम से भी जानकारी साझा की जा सकती है।

त्रिस्तरीय पंचायत व नगर पंचायत नवागढ़ उपचुनाव हेतु मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 13 अप्रैल को

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में त्रिस्तरीय पंचायतों के रिक्त पदों एवं नगर पंचायत नवागढ़ के अध्यक्ष पद पर प्रस्तावित उप निर्वाचन की तैयारियाँ शुरू हो गई हैं। इसी क्रम में फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन 13 अप्रैल 2026 को किया जाएगा। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार जिला निर्वाचन कार्यालय बेमेतरा ने मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। इसके लिए संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा तहसीलदारों को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया गया है।

विभिन्न पंचायतों में रिक्त पदों का विवरण–जिले के अलग-अलग विकासखण्डों में कई पद रिक्त हैं, जिन पर उप निर्वाचन प्रस्तावित है–

विकासखण्ड बेरला
जनपद पंचायत क्षेत्र क्रमांक 07 में जनपद सदस्य, ग्राम पंचायत सुरहोली में सरपंच, ग्राम पंचायत कोदवा (वार्ड 04), बावनलाख (वार्ड 09), कंडरका (वार्ड 08), भरदा (वार्ड 03 एवं 10) में पंच पद

विकासखण्ड बेमेतरा–ग्राम पंचायत पथर्रा (वार्ड 04, 06, 07, 09, 10, 11, 13), रामपुर (वार्ड 07), डुड़ा (वार्ड 04), बंधी (वार्ड 05), बेतर (वार्ड 08), भोईनाभाठा (वार्ड 04) – पंच पद

विकासखण्ड नवागढ़–ग्राम पंचायत बोटेबोड़ में सरपंच

ग्राम पंचायत मुरता (वार्ड 15) एवं अंतरगंवा (वार्ड 10) – पंच पद

विकासखण्ड साजा-ग्राम पंचायत सोमईखुर्द (वार्ड 01) एवं उमरावनगर (वार्ड 03) – पंच पद

नगर पंचायत नवागढ़ में अध्यक्ष पद रिक्त

नगर पंचायत नवागढ़ में अध्यक्ष का पद रिक्त होने के कारण उप निर्वाचन कराया जाएगा। इस संबंध में निर्वाचन आयोग द्वारा 08 अप्रैल 2026 को कार्यक्रम जारी किया गया है।

दावा-आपत्ति व प्रकाशन की महत्वपूर्ण तिथियां-13 अप्रैल 2026 ङ्क मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन20 अप्रैल 2026 (दोपहर 3 बजे तक) ङ्क दावा एवं आपत्तियां प्राप्त करने की अंतिम तिथि 23 अप्रैल 2026 तक ङ्क प्राप्त दावों/आपत्तियों का निराकरण, 24 अप्रैल 2026 तक ङ्क प्रारूप क-1 में दावा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि, 27 अप्रैल 2026 तक ङ्क क-1 दावों का निराकरण, अपील की समय सीमा ङ्क निराकरण आदेश के 5 दिवस के भीतर, 05 मई 2026 ङ्क निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन

नागरिकों से अपील-जिला निर्वाचन कार्यालय ने सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित अवधि में मतदाता सूची का अवलोकन कर अपने नाम की पुष्टि करें तथा आवश्यक होने पर दावा-आपत्ति प्रस्तुत करें, ताकि निष्पक्ष एवं त्रुटिरहित निर्वाचन प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर युवती से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के माध्यम से दोस्ती कर शादी का झांसा देकर युवती से अनाचार करने वाले आरोपी को मुलमुला पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता की पहचान वर्ष 2022 में इंस्टाग्राम के माध्यम से आरोपी अनिकेत तांडे (20 वर्ष), निवासी सोनादुला, थाना अकलतरा, जिला जांजगीर-चांपा से हुई थी। आरोपी ने स्वयं को एचडीएफसी बैंक का कर्मचारी बताकर पीड़िता एवं उसके परिजनों का विश्वास जीता और शादी का प्रस्ताव रखा। इसी दौरान शादी का झांसा देकर उसने पीड़िता के साथ अनाचार किया। पीड़िता की शिकायत पर थाना मुलमुला में अपराध क्रमांक 116/2026 के तहत धारा 64(2)(रू), 69 बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को रायपुर के हीरापुर क्षेत्र से गिरफ्तार किया। हिरासत में पूछताछ के दौरान आरोपी द्वारा अपराध स्वीकार किए जाने पर उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

भिलाई निगम का स्वच्छता अभियान तेज, तालाबों और नालों की युद्धस्तर पर सफाई

भिलाईनगर/मूक पत्रिका

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत शहर के तालाबों और बड़े-छोटे नालों की युद्धस्तर पर सफाई की जा रही है। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार यह अभियान लगातार जारी है। शहर के सभी पांचों जोन क्षेत्रों में अधिकारी एवं कर्मचारी मैदानी स्तर पर सक्रिय रहते हुए सफाई कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग कर रहे हैं। आवश्यकता के अनुसार संसाधनों की व्यवस्था कर कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है। अभियान के तहत तालाबों से गाद निकालने, जमा कचरे को हटाने तथा नालों की गहन सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इससे न केवल शहर की स्वच्छता में सुधार होगा, बल्कि जल निकासी व्यवस्था भी सुचारू रूप से संचालित हो सकेगी, जिससे बारिश के दौरान जलभराव की समस्या में कमी आने की संभावना है। निगम प्रशासन स्वच्छ सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए शहर की स्वच्छता रैंकिंग को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। अधिकारियों का लक्ष्य है कि भिलाई शहर स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करे और नागरिकों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध हो सके। निगम प्रशासन ने शहरवासियों से अपील की है कि वे भी इस अभियान में सहयोग करें। कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालें, गंदगी फैलाने से बचें और स्वच्छता बनाए रखने में अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

शासकीय उद्यानों में आम फल बहार की नीलामी के लिए तिथि निर्धारित

इच्छुक व्यक्ति नीलामी में ले सकते हैं भाग

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कार्यालय सहायक संचालक उद्यान जांजगीर द्वारा आम फ्लन बहार की नीलामी को लेकर कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। सहायक संचालक उद्यानिकी विभाग ने बताया कि जिले के विभिन्न शासकीय उद्यानों में लगे आम फ्लों की नीलामी 13 से 20 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी और सभी नीलामियां प्रतिदिन दोपहर 2 बजे होगी। जारी कार्यक्रम अनुसार विकासखण्ड बलैदा के शासकीय उद्यान रोपणी चारपारा में 13 अप्रैल को, विकासखंड अकलतरा के शासकीय उद्यान रोपणी अमोरा में 15 अप्रैल को, विकासखंड नवागढ़ के शासकीय उद्यान रोपणी पुटपुरा में 16 अप्रैल को, विकासखंड बम्हनडीह के करनौद रोपणी के लिए सहायक संचालक उद्यान जांजगीर (कुलीपोटा) में 17 अप्रैल को एवं विकासखंड पामगढ़ के शासकीय उद्यान रोपणी मुड़पार में 20 अप्रैल को दोपहर 2 बजे नीलामी रखी गई है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष ऑन सीजन होने के कारण आम पौधों में फ्लन बहुत अच्छी है। अतः नीलामी लेने के इच्छुक व्यक्ति नीलामी से पूर्व संबंधित रोपणियों में जाकर फसल का अवलोकन कर सकते है। नीलामी में भाग लेने के लिए निर्धारित तिथि से एक दिन पूर्व दोपहर 2 बजे तक संबंधित स्थल में जमा करना अनिवार्य होगा। आवेदन के साथ पहचान पत्र लाना आवश्यक है। इच्छुक नागरिकों से समय-सीमा का पालन करते हुए नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है।

लू से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग की एडवाइजरी जारी, आमजन से सतर्क रहने की अपील

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

स्वास्थ्य विभाग ने ग्रीष्म ऋतु के आगमन के साथ बढ़ते तापमान को देखते हुए हीट स्ट्रोक (लू) से बचाव हेतु आवश्यक सावधानियां जारी की हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि हीट स्ट्रोक एक गंभीर स्थिति है, जिसमें शरीर का तापमान अत्यधिक बढ़ जाता है और समय पर उपचार न मिलने पर यह जानलेवा भी हो सकता है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा नागरिकों से अपील की है कि वे दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें तथा अधिक से अधिक पानी, नींबू पानी, छाछ और ओआरएस जैसे तरल पदार्थों का सेवन करें। हल्के रंग के ढीले एवं सूती कपड़े पहनने, बाहर निकलते समय सिर को टोपी, गमछा या छाता से ढकने तथा खाली पेट घर से बाहर न जाने की सलाह दी गई है। विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों एवं गर्भवती महिलाओं का ध्यान रखने, वाहन में बच्चों या पालतू जानवरों को अकेला न छोड़ने की भी हिदायत दी गई है। हीट स्ट्रोक के प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार (40 डिग्री सेल्सियस से अधिक), सिरदर्द, चक्कर आना, उल्टी, घबराहट, त्वचा का लाल व सूखा होना तथा बेहोशी शामिल हैं। यदि किसी व्यक्ति में ये लक्षण दिखाई दें तो उसे तुरंत ठंडी जगह पर ले जाएं, शरीर को ठंडा करें एवं नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में तत्काल उपचार हेतु ले जाएं। जिला प्रशासन ने आमजनों से अपील की है कि वे गर्मी के मौसम में पूरी सतर्कता बरतें, स्वयं सुरक्षित रहें और अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी जागरूक करें। विशेषकर मजदूर, किसान एवं खुले में कार्य करने वाले लोग निर्धारित समय में ही कार्य करें और बीच-बीच में विश्राम अवश्य लें। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लें एवं अफवाहों से बचें। ''सावधानी ही बचाव है - हीट स्ट्रोक से सुरक्षित रहें, स्वस्थ रहें।''

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद प्रशासन सख्त, 1.5 एकड़ शासकीय भूमि मुक्त

धरमजयगढ़ में अवैध कब्जाधारियों पर बड़ी कार्रवाई

रायगढ़/मूक पत्रिका

धरमजयगढ़ ब्लॉक अंतर्गत ग्राम शकरलिया के ग्रामीणों द्वारा दी गई शिकायत पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शासकीय भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उत्तम विश्वास द्वारा ग्राम की शासकीय भूमि खसरा नंबर 46-1-1, रकबा लगभग 1.5 एकड़ पर अवैध रूप से कब्जा कर बाउंड्री निर्माण कर लिया गया था।मामले में नियमानुसार प्रकरण दर्ज कर तहसील प्रशासन द्वारा सुनवाई की गई। जांच के दौरान यह पाया गया कि संबंधित भूमि के आसपास शासकीय स्कूल स्थित है तथा उत्तम विश्वास का उक्त भूमि पर किसी प्रकार का स्वामित्व नहीं है। साथ ही आसपास उनकी निजी भूमि भी नहीं पाई गई, जिससे अवैध कब्जा स्पष्ट रूप से प्रमाणित हुआ। सभी तथ्यों के आधार पर प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए बाउंड्री को हटाकर शासकीय भूमि को कब्जे से मुक्त करा लिया। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट इंडिया द्वारा शासकीय भूमि पर अवैध कब्जों के विरुद्ध सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। इन्हीं निर्देशों के परिपालन में स्थानीय प्रशासन द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। धरमजयगढ़ तहसीलदार हितेश कुमार साहू ने बताया कि स्कूल सहित अन्य शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत मिलने पर इसी तरह की सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। प्रशासन की इस सक्रियता से कब्जाधारियों में हड़कंप मचा हुआ है। प्रशासन का संदेश स्पष्टः शासकीय भूमि पर कब्जा करने वालों के खिलाफ अब कोई ढील नहीं दी जाएगी।

मजदूर विरोधी नीतियों का किया पुतला दहन, उप मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

कांकेर /मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर /:- कांकेर मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ आज कांकेर के पुराना बस स्टैंड में नगरीय निकाय कर्मचारी यूनियन और राजमिस्त्री मजदूर रेजा कुली एकता यूनियन ने सरकार की नीतियों का विरोध करते हुए पुतला का दहन किया। पुतला दहन के बाद यूनियन के तरफसे उप मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन भी सौंपा गया। ज्ञापन में मुख्य रूप से प्लेसमेंट कर्मचारियों को जीने लायक सम्मानजनक वोतन भुगतान करने, श्रम कानून के तहत सभी सुविधाओं को लागू करने, प्रत्येक माह के 10 तारीख को वेतन भुगतान करने की मांग प्रमुख है। यूनियन नेताओं का मानना है कि जीने लायक सम्मानजनक वेतन माह में 31 हजार होना चाहिए। आज जारी एक प्रेस बयान में नगरीय निकाय कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष दिलीप साहू और महासचिव राकेश बिछिया ने आज एक प्रेस बयान जारी कर बताया कि देश में जो नीतियां लागू की जा रही है अगर उसे अमल में लाया गया तो हमार वेतन आधे से भी कम हो जायेंगे। सभी सामाजिक सुविधाओं में कटौती किया जाएगा। कटौती किया जाएगा। नेताओं ने बताया कि यह नीति मजदूरों को मालिक का गुलाम बना देगा। मजदूरों के सभी अर्जित अधिकारों को छीन लिया जाएगा। नेताओं ने कहा कि मजदूरों के अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए इस नीति का विरोध करना आवश्यक है। पुतला दहन के दौरान यूनियन के कार्यकर्ता और पुलिस के बीच झुमाखटकी भी हुई। आज के कार्यक्रम में भाव सिंह कश्यप, ओम प्रकाश देवांगन, दिलीप विश्वकर्मा, कोमल मरकाम, चैतराम यादव, दिलीप साहू, सुभाष साहू, अरूण वाल्मीक, प्रशांत रजक, राज रजक सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल थे।

नगर पालिका अध्यक्ष बेमेतरा विजय सिन्हा प्रवेश उत्सव कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए

डी.ए.वी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल, जांता में धूमधाम से मनाया गया प्रवेशोत्सव

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा जिले का एक मात्र डी. ए. वी मुख्यमंत्री स्कूल जांता में शिक्षा सत्र 2026-27 नए सत्र के शुभारंभ के साथ आज शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम धूमधाम से सम्पन्न हुआ। जिसमें अभिभावकों ने बड़ी संख्या में विद्यालय में उपस्थित होकर,आज के शाला प्रवेशोत्सव भाग लिए। प्रवेश उत्सव कार्यक्रम के मुख्यअतिथि नगर पालिका अध्यक्ष बेमेतरा विजय सिन्हा, विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत शिक्षक नन्दलाल शर्मा , विशेष अतिथि पार्षद बेमेतरा लक्की साहू, अति विशेष अतिथि संकुल समन्वयक जितेंद्र साहू, नोडल अधिकारी व संकुल प्राचार्य बलदाऊ पटेल एवं स्कूल बस संचालक नीलेश साहू उपस्थित रहे। अतिथियों के द्वारा नए प्रवेशित एवं पूर्व से अध्ययनरत सभी लगभग 700 विद्यार्थियों को तिलक लगाकर, मुह मीठा कर पुष्पवर्षा करते हुए शाला में प्रवेश दिलाया गया। साथ ही सभी अभिभावकों,माता पिता व अथितियों का भी तिलक व पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया। स्वागत के बाद सभी अतिथियों व स्कूल प्रचार्य ने वैदिक हवन यज्ञ में शामिल हुए,व स्वामी दयानंद सरस्वती , महात्मा हंसराज व सरस्वती माता को श्रद्धा सुमन, पुष्पगुच्छ व माला पहनाते हुए दिप प्रज्वलित किए ततपश्चात सरस्वती वन्दना गीत एवं डी ए वी गान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि विजय सिंहा के द्वारा बच्चों को शाला प्रवेशोत्सव की शुभकामनाएं दिए उद्बोधन में विद्यार्थियों को नवीन सत्र की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों के पालन हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा मनुष्य के जीवन का आधार है तथा सतत परिश्रम, अनुशासन एवं समर्पण से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। और नियमित रूप से स्कूल आने के लिए प्रेरित किया, विद्यार्थियों को सम्मानित भी किए, साथ ही शिक्षक- शिक्षिकाओ को उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु सराहना किए है, डी ए वी जांता के बच्चों ने वास्तव में क्षेत्र का मान बढ़ाया हैं। यह गर्व का विषय है वास्तव में छात्र जीवन में लोग मेरे बारे में क्या कहेंगे क्या सोचेंगे ये नही सोचना हैं लक्ष्य साध कर उसे पूरा करने के लिए मेहनत करेंगे तो सफलता आपकी कदम चूमेगी। विशिष्ट अतिथि नन्दलाल शर्मा ने बच्चों को कड़ी मेहनत के साथ पढ़ाई करने हेतु मार्गदर्शन दिए।उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का संदेश दिया।

प्रचार्य पी एल जायसवाल ने आज के कार्यक्रम में पहुँचे अतिथियों व अभिभावकों का आभार ब्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी ने सी बी एस ई शिक्षा के साथ - साथ वैदिक शिक्षा व अग्रेजी माध्यम शिक्षा हेतु डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता को चयननित किए है। हम बच्चों के उज्ज्वल भविष्य व सर्वांगीण विकास के लिए हम सदैव तत्पर रहेंगे । प्रचार्य जायसवाल ने जानकारी साझा किया कि शिक्षा सत्र 2026-27 के लिए बड़ी संख्या में नए अभिभावकों ने डी ए वी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता में अपने बच्चों को प्रवेशित दिला चुके हैं। अभी प्रवेश प्रकिया चल ही रही हैं अन्य अभिभावकों को भी अपने बच्चों के लिए उचित शिक्षा व सी बी एस ई विद्यालय में प्रवेश हेतु प्रेरित किए है आने - जाने के लिए सभी चारों दिशाओं के लिए यातायात हेतु बस सुविधा भी प्रदान किए गया हैं। क्षेत्र से बड़ी संख्या में अभिभावकगण उपस्थित हुए, अतिथियों व अभिभावकों ने सभी विद्यार्थियों को शाला प्रवेश कि बधाई व शुभकामनाएं दिए, विद्यालय से शिक्षक ललित देवांगन, गोविंद साहू, अकलेश पटेल,आयुषी जैन,अनिल चंद्रवंशी, दीपिका वर्मा, विमल साहू, ऐश्वर्य देशमुख,पुनम शर्मा, साक्षी शर्मा, संदीप कुमार साहू,ममता चंद्राकर,अभिषेक कुमार, प्रवीण कुमार, माननी, शोभा रानी, रेणुका पटेल,लेखनी चंद्राकर, प्रीति यादव,स्वप्निल शर्मा, आर्य निधि, गौरी यादव , भारती, अनिल कुमार, कैलाश सिंह, अन्नू चन्द्रकाकर, सुखदेव साहू, रूखमणी, रामेश्वरी,यादव, युवराज चंद्राकर, नरेश साहू, विजय चंद्राकर, कुंती यादव आदि सभी कार्यक्रम को सफल बनाए।

हनुमान मंदिर स्थापना को लेकर कुम्हरावंड में तीन दिवसीय धार्मिक आयोजन, सांसद महेश कश्यप के पैतृक निवास में कार्यक्रम

21 पवित्र नदियों के जल से अभिषेक, वैदिक अनुष्ठानों के बीच आज होगा भव्य समापन

जगदलपुर/मूक पत्रिका

बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद महेश कश्यप के पैतृक ग्राम कुम्हरावंड (झरनीगुड़ा) में आयोजित श्री राम भक्त हनुमान जी के त्रिदिवसीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह में श्रद्धा और उत्साह चरम पर है। पहले दिन की भव्य शुरुआत के बाद दूसरे दिन वैदिक विधि-विधान के साथ 'मूर्ति अधिवास' का अनुष्ठान श्रद्धापूर्वक सम्पन्न हुआ। पूरे गांव में जय श्रीराम और पवनपुत्र हनुमान के जयकारों से माहौल भक्तिमय बना रहा। समारोह के प्रथम दिन सांसद महेश कश्यप ने अपने परिवार के साथ मिलकर इंद्रावती नदी सहित देश की 21 पवित्र नदियों के जल से नवस्थापित बजरंगबली की प्रतिमा का महा जलाभिषेक किया। इस पावन अवसर पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप भी मौजूद रहे। उन्होंने पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया और परिवारजनों से आत्मीय मुलाकात कर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दूसरे दिन वैदिक विद्वानों के मार्गदर्शन में 'मूर्ति अधिवास' की प्रक्रिया पूरी की गई, जिसमें प्रतिमा को विभिन्न पवित्र द्रव्यों में अधिवास कराकर जागृत किया गया। धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार देखने को मिला। सांसद महेश कश्यप ने कहा कि नदियों के पवित्र जल और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सम्पन्न यह अनुष्ठान मन को अद्भुत शांति देता है। उन्होंने भगवान हनुमान से क्षेत्रवासियों के स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और बस्तर की निरंतर प्रगति की कामना की। उल्लेखनीय है कि सांसद कश्यप का हनुमान जी के प्रति समर्पण बचपन से रहा है। सामाजिक व धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय रहते हुए उन्होंने विभिन्न गांवों में मंदिर निर्माण और सनातन संस्कृति के संरक्षण में योगदान दिया है। अपने पैतृक निवास में भव्य हनुमान मंदिर की स्थापना इसी कड़ी का हिस्सा है। समारोह में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर पुण्य लाभ ले रहे हैं। आयोजन का समापन बुधवार को अंतिम प्राण प्रतिष्ठा और विशाल भंडारे के साथ होगा।

चांपा एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, अवैध अधिवेशन रोकने की मांग

बिर्रा में आयोजित चंगाई सभा को लेकर विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल ने जताई आपत्ति

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

ग्राम पंचायत बिर्रा में आयोजित किए जा रहे एक धार्मिक अधिवेशन (चंगाई सभा) को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। इस संबंध में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल एवं सर्व हिंदू समाज के पदाधिकारियों ने अनुविभागीय दंडाधिकारी चांपा को ज्ञापन सौंपकर कार्यक्रम को अवैध बताते हुए उस पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि ग्राम पंचायत बिर्रा में रामेश्वर दास पंत द्वारा चार दिवसीय वार्षिक अधिवेशन (चंगाई सभा) का आयोजन किया जा रहा है, जिसे नियमों के विपरीत एवं अवैध रूप से संचालित बताया गया है। आवेदकों का आरोप है कि इस आयोजन के दौरान उपचार के नाम पर लोगों को प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराया जाता है।पदाधिकारियों ने ज्ञापन के माध्यम से यह भी बताया कि इस प्रकार की गतिविधियों को लेकर पूर्व में भी आपत्ति दर्ज कराई जा चुकी है, इसके बावजूद कार्यक्रम का पुनः आयोजन किया जा रहा है। ज्ञापन में वर्ष 2023 में संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध एक नाबालिग से छेड़छाड़ के मामले में बिर्रा थाना में शिकायत दर्ज होने का भी उल्लेख किया गया है। संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि उक्त अधिवेशन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए, ताकि क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनी रहे और ग्रामीण किसी भी प्रकार के प्रलोभन या दबाव का शिकार न हों। यह ज्ञापन 8 अप्रैल 2026 को एसडीएम चांपा को सौंपा गया, जिस पर संबंधित संगठनों के पदाधिकारियों के हस्ताक्षर भी शामिल हैं। समाचार लिखे जाने तक इस मामले में प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

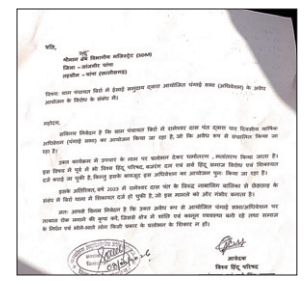

विद्युत मंडल कार्यालय परिवार शक्ति ने हनुमान जन्मोत्सव पर किया भव्य कार्यक्रम

सक्ती/मूक पत्रिका

हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर शक्ति के विद्युत मंडल परिवार ने स्टेशन रोड में विद्युत मंडल कार्यालय परिसर में स्थित भव्य श्री हनुमान जी के मंदिर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। सुबह जहां हनुमान जी की जयंती पर भव्य कलश- शोभायात्रा निकाली गई।तो वहीं इस कलश शोभा यात्रा में विद्युत मंडल परिवार की महिलाएं। बच्चे। नवयुवक एवं सर्व वर्ग के लोगों ने शामिल होकर इसे सफल बनाया तो वहीं मंदिर परिसर में भी सुबह से ही पूजा अर्चना एवं भजन संध्या के कार्यक्रम हुए तथा दोपहर समय सार्वजनिक भंडारा प्रसाद का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें शहर के प्रबुद्ध जनों। मोहल्ले वासियों एवं नागरिक गणों ने प्रसाद ग्रहण किया। वहीं देर शाम विद्युत मंडल परिवार द्वारा हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर प्रसिद्ध भजन संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें भजन गायक जीतू गबेल सहित उपस्थित गायको ने हनुमान जी के सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी। जिस पर उपस्थित श्रद्धालु भक्तजन भी झूम उठे तथा देर रात तक भजन संध्या का कार्यक्रम जारी रहा एवं पूरे विद्युत मंडल कार्यालय परिसर के हनुमान मंदिर के एवं परिसर को भी आकर्षक झालरों की रोशनी के साथ सजावट की गई थी एवं विद्युत मंडल परिवार के सभी सदस्य सह परिवार दिन भर के समस्त कायक्रमों में शामिल हुए तथा विद्युत मंडल परिवार ने भी आगंतुक सभी श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए उन्हें प्रसाद वितरण भी किया।

प्रमोद जायसवाल को महामंत्री बनाए जाने से कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल

बम्हनीडीह मंडल में कांग्रेस संगठन को नई मजबूती

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

प्रदेश कांग्रेस कमिटी द्वारा संगठनात्मक विस्तार के तहत जांजगीर चांपा लोकसभा क्षेत्र के जैजैपुर विधानसभा अंतर्गत बम्हनीडीह ब्लॉक के मंडल बम्हनीडीह में प्रमोद जायसवाल को महामंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस नियुक्ति के बाद क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच खुशी का माहौल देखने को मिल रहा है। पार्टी नेतृत्व के इस फैसले को संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।महामंत्री बनाए जाने के बाद प्रमोद जायसवाल ने कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है, उसका वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कांग्रेस संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए गांव-गांव तक कार्यकर्ताओं को जोड़ने का कार्य किया जाएगा और पार्टी में उन्नति लाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा।उन्होंने आगे कहा कि आम जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए जनसंपर्क अभियान को तेज किया जाएगा। साथ ही आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय किया जाएगा, जिससे पार्टी को मजबूती मिल सके। संगठन को मजबूत करने की जिम्मेदारी, कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार-प्रमोद जायसवाल की नियुक्ति को लेकर स्थानीय कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। लंबे समय से पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता रहे प्रमोद जायसवाल को यह जिम्मेदारी मिलने से संगठन में नई ऊर्जा का संचार होने की उम्मीद जताई जा रही है। कार्यकर्ताओं का मानना है कि उनके अनुभव का लाभ संगठन को मिलेगा।कार्यकर्ताओं ने दी बधाई, संगठन में नई उम्मीदों का संचार-प्रमोद जायसवाल की नियुक्ति पर क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई दी है। इस नियुक्ति से बम्हनीडीह मंडल में संगठन के प्रति नई उम्मीदें जगी हैं और आने वाले समय में कांग्रेस के मजबूत प्रदर्शन की संभावना जताई जा रही है।

मिशन पेयजलः कलेक्टर तोपनो ने टीएल की मीटिंग में अधिकारियों को दिए निर्देश

सक्ती/मूक पत्रिका

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अमृत विकास तोपनो ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक लेकर विभिन्न विभाग अंतर्गत चल रहे विभागीय कामकाज की समीक्षा की। समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रहे कार्यों को गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने हर घर जल प्रमाणीकरण को समयबद्ध और सही तरीके से पूर्ण करने निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सभी पात्र घरों तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए तथा कार्यों में लापरवाही न बरती जाए। साथ ही, गुणवत्ता बनाए रखते हुए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने शिक्षा विभाग अंतर्गत जाति प्रमाण पत्र, आधार एमबीयू एवं पीएम योजना की प्रगति की समीक्षा कर इन्हें प्राथमिकता से शीघ्र पूर्ण करने और शत-प्रतिशत लक्ष्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही बैठक में कलेक्टर द्वारा जिला अंतर्गत विभिन्न विभागों के विभागीय कार्यों तथा प्रगतिरत विभिन्न निर्माण कार्यों सहित अन्य आवश्यक कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई तथा आवश्यक निर्देश दिए गए। इसके साथ ही समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने महिला एवं बाल विकास अधिकारी को आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की विभिन्न समस्याए

सक्ती/मूक पत्रिका

जिला कार्यालय में आयोजित हुए कलेक्टर जनदर्शन में कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अमृत विकास तोपनो द्वारा जिले के दूर दराज के इलाकों से आए विभिन्न लोगों की समस्याएं सुनी गई। जनदर्शन में आज अलग-अलग समस्याओं के निराकरण हेतु कुल 39 आवेदन प्राप्त हुए। जिस पर कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों को कलेक्ट्रेट परिसर सभाकक्ष में उपस्थित संबंधित अधिकारियों को तत्काल देकर यथाशीघ्र नियमानुसार त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए है। इस दौरान अपर कलेक्टर बीरेंद्र लकड़ा सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। जनदर्शन में आज तहसील बाराद्वार अंतर्गत ग्राम पासीद निवासी नारायण प्रसाद राठौर ने तहसील बाराद्वार को प्रकरण में प्रतिवेदन शीघ्र जारी करने के सम्बन्ध में, तहसील बाराद्वार अंतर्गत ग्राम आमादहरा निवासी दिलीप सिंह कंवर ने आमादहरा गांव के कंवर मुहल्ले में केबल वायर बदलकर नया केबल वायर लगाने के संबंध, तहसीलदार मालखरौदा अंतर्गत ग्राम देवगांव निवासी कचरा बाई ने प्रधानमंत्री आवास निर्माण करने के लिए भूमि प्रदान करने के सम्बन्ध में, तहसील सक्ती अंतर्गत ग्राम ग्राम सुवाडेरा निवासी ललिता कंवर ने छात्रावास मे दाखिल कराने के संबध में, तहसील नया बाराद्वार निवासी राजकुमार मंहत ने सरकारी सामुदायिक भवन निर्माण के सम्बन्ध में, तहसील मालखरौदा अंतर्गत ग्राम मरघटी निवासी कमल यादव ने ग्राम मरघटी स्थित भूमि का सीमांकन कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट कराने के संबंध में, तहसील भोथिया ग्राम खम्हरिया निवासी नगेश कुमार ने ग्राम पंचायत अकलसरा मे. अरविंद सोनी डोलोमाइट माइंस एवं शुभ मिनरल्स डोलोमाइट द्वारा मुआवजा दिलाने के संबंध में, तहसील सक्ती अंतर्गत ग्राम सिंघनसरा निवासी नेशनल जुरेटी पार्टी एवं समस्त ग्रामवासियों ने भीषण गर्मी के कारण पेयजल संकट निवारण के सम्बन्ध में।

भैरमगढ़ के टिंडोड़ी में 'गांव चलो बस्ती चलो' अभियान की शुरुआत

दूरस्थ गांवों में चौपाल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जी वेंकटेश्वर ने योजनाओं की जानकारी दी, लाभार्थियों से किया सीधा संवाद

बीजापुर/मूक पत्रिका

भैरमगढ़ ब्लॉक के संवेदनशील और दूरस्थ ग्राम पंचायत टिंडोड़ी में भाजपा के स्थापना दिवस पर 'गांव चलोङ्कबस्ती चलो अभियान 2026' की शुरुआत की गई। कार्यक्रम में जी वेंकटेश्वर की मौजूदगी रही। अभियान के तहत टिंडोड़ी, धुसावाडा और करेमरका गांवों में चौपाल लगाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया गया। अभियान का उद्देश्य दूरस्थ गांवों तक पहुंच बनाकर शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। इस दौरान उज्ज्वला, आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री आवास जैसी योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही लाभार्थियों से यह भी जाना गया कि उन्हें योजनाओं का फायदा मिल रहा है या नहीं।कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और नए मतदाताओं को जोड़ने पर जोर दिया। युवाओं, महिलाओं और पहली बार मतदान करने वालों से संपर्क कर उन्हें अभियान से जोड़ा गया। चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं भी रखीं। इन्हें दर्ज कर समाधान की दिशा में काम करने की बात कही गई। नेताओं ने कहा कि यह अभियान सिर्फकार्यक्रम नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण के साथ गांवों तक पहुंचने का प्रयास है। इस मौके पर भाजपा जिला मंत्री बलदेव उरसा, मंडल अध्यक्ष चित्राराम तेलम, वरिष्ठ नेता अनु ठाकुर, मुन्नूराम लेकाम सहित कार्यकर्ता और स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

कांकेर पुलिस की बड़ी कार्रवाईः 'अड्डेबाजी' करने वाले 4 युवक गिरफ्तार, भेजा गया जेल

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ कांकेर जिले में अवैध नशे और संदिग्ध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे 'उजियार अभियान' के तहत कांकेर पुलिस ने एक बार फिर कड़ा रुख अपनाया है। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा (भापुसे) के कुशल निर्देशन में सिटी कोतवाली पुलिस ने गोविंदपुर इलाके में दबिश देकर अड्डेबाजी कर रहे चार युवकों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, सिटी कोतवाली थाना प्रभारी प्रतीक बनसोडे दादासाहेब (भा.पु.से.) के नेतृत्व में पुलिस टीम और साइबर सेल को सूचना मिली थी कि सेंट माइकल स्कूल, गोविंदपुर के पास कुछ लोग संदिग्ध अवस्था में जमा होकर अड्डेबाजी कर रहे हैं। पुलिस ने मौके पर घेराबंदी कर चार आरोपियों को धर दबोचा। पुलिस ने पकड़े गए युवकों के खिलाफ धारा 170 बीएनएसएस के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। गिरफ्तार आरोपियों कीर्तन कुमार मरकाम (22 वर्ष), निवासी मललडोबरी,रितेश कुमार भारद्वाज (18 वर्ष), निवासी सिदेसर , सौरभ सेन (24 वर्ष), निवासी सिदेसर, दुर्गेश कुमार मतलाम (19 वर्ष), निवासी सिदेसर।सभी आरोपियों को कार्यपालिक दंडाधिकारी के समक्ष पेश कर जेल दाखिल कर दिया गया है। पुलिस की अपील:कांकेर पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि अपराध नियंत्रण में पुलिस का सहयोग करें। जिले में किसी भी संदिग्ध या आपराधिक गतिविधि की जानकारी देने के लिए हेल्पलाइन नंबर 94791-55125 जारी किया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

आरंग में 300 सीटर अत्याधुनिक ऑडिटोरियम निर्माण हेतु 8.66 करोड़ स्वीकृत

कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने क्षेत्र को दी बड़ी सौगात

रायपुर/आरंग/मूक पत्रिका

। छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा राज्य में शिक्षा अधोसंरचना को सुदृढ़ एवं आधुनिक बनाने की दिशा में लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में रायपुर जिले के आरंग स्थित शासकीय बद्रीप्रसाद लोधी महाविद्यालय परिसर में 300 सीटर अत्याधुनिक ऑडिटोरियम के निर्माण हेतु ?866.28 लाख (आठ करोड़ छियासठ लाख अट्ठाईस हजार रुपये) की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह स्वीकृति क्षेत्रीय विधायक एवं प्रदेश के कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी के नेतृत्व में क्षेत्र में शिक्षा अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे महाविद्यालय की आधारभूत संरचना को मजबूती मिलेगी और विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाएं प्राप्त होंगी। उक्त परियोजना वर्ष 2024-25 के बजट प्रावधानों के अंतर्गत स्वीकृत की गई है। अपर सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आदेश जारी किया गया है तथा वित्त विभाग की सहमति प्राप्त होने के पश्चात निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ शासन गुरु खुशवंत साहेब जी ने कहा कि प्रस्तावित ऑडिटोरियम आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा, जिसमें सेमिनार, कार्यशाला, संगोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाएं उपलब्ध रहेंगी। इससे विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए बेहतर मंच मिलेगा और महाविद्यालय को नई पहचान प्राप्त होगी। मंत्री गुरु साहेब जी ने आगे कहा कि आरंग विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। यह ऑडिटोरियम क्षेत्र के विद्यार्थियों को नई दिशा देने के साथ-साथ उनकी प्रतिभा को निखारने का सशक्त माध्यम बनेगा। मंत्री गुरु साहेब जी ने इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के लिए प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री सहित उच्च शिक्षा विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य शासन के सहयोग से आरंग क्षेत्र में विकास कार्यों को निरंतर गति मिल रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश सरकार के मार्गदर्शन में शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास की यह श्रृंखला आगे भी जारी रहेगी और क्षेत्रवासियों को इसका लाभ मिलेगा।

धर्मावरम में योजनाओं का असर, कच्चे मकान से अब सुरक्षित आशियाना

नक्सल इलाके में बदली जिंदगी, गुण्डी बुचम्मा को मिला पक्का घर

बीजापुर/मूक पत्रिका

उसूर ब्लॉक के धर्मावरम गांव से एक ऐसी कहानी सामने आई है, जो बताती है कि हालात धीरे-धीरे बदल रहे हैं। कभी नक्सल प्रभाव से घिरे इस इलाके में अब सरकारी योजनाओं का फायदा लोगों तक पहुंचने लगा है। 60 साल की गुण्डी बुचम्मा के लिए यह बदलाव किसी सपने से कम नहीं है। वर्षों तक कच्चे और खपरैल के घर में रहने के बाद अब उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान मिला है। पहले बारिश में छत टपकती थी, हर मौसम में परेशानी रहती थी, लेकिन अब उनके पास रहने के लिए सुरक्षित घर है। बुचम्मा के बेटे जगत बताते हैं कि पहले घर की हालत बहुत खराब थी। बरसात के दिनों में सबसे ज्यादा दिक्कत होती थी। अब नया मकान बनने के बाद परिवार को राहत मिली है और रहने का सुकून भी। गांव के लोग कहते हैं कि पहले विकास के काम नक्सल प्रभाव के कारण रुक जाते थे, लेकिन अब स्थिति बदल रही है। योजनाएं गांव तक पहुंच रही हैं और लोगों का भरोसा भी बढ़ रहा है। धर्मावरम की यह कहानी सिर्फएक परिवार की नहीं है, बल्कि पूरे इलाके में आ रहे बदलाव की झलक है। जहां पहले डर का माहौल था, वहां अब धीरे-धीरे उम्मीद नजर आने लगी है।

संपादकीय

पश्चिम एशिया युद्ध भारत की चेतावनी-संवाद की कमी खतरनाक

कूटनीतिक तकाजे के साथ-साथ मानवीय पहलू से भी देखें, तो होर्मुज जलमार्ग को तत्काल खोलने की जरूरत है, अन्यथा वैश्विक पैमाने पर जिस तरह का ऊर्जा संकट खड़ा होगा, उसकी भरपाई लंबे समय तक नहीं की जा सकेगी। इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि पश्चिम एशिया में युद्ध ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच हो रहा है, लेकिन उसकी मार वैसे देशों को भी झेलनी पड़ रही है, जो किसी भी रूप में जंग में शामिल नहीं हैं। कई देशों में अब हालत यह है कि वहां तेल और गैस की कमी की वजह से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित होने लगा है।भारत भी उन देशों में से एक है, जहां कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बाधित होने के कारण आम लोगों को कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। खासतौर पर जब से ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया है, तब से कई देशों में कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति पर व्यापक असर पड़ा है। भारत में रसोई गैस सिलेंडर की उपलब्धता भी काफी प्रभावित हुई है। यह स्थिति मुख्य रूप से होर्मुज जलमार्ग को रोके जाने के कारण सामने आई है और इसमें तभी राहत मिल सकती है, जब ईरान इस मार्ग को फिर से खोले।वैश्विक स्तर पर यह चिंता गहरा रही है कि अगर होर्मुज जलमार्ग को इसी तरह बाधित करके रखा गया, तो आने वाले दिनों में स्थितियां और बिगड़ सकती हैं। शायद यही वजह है कि पश्चिम एशिया के इस संकट का हल निकालने की कोशिश के तहत ब्रिटेन की पहल पर साठ से ज्यादा देशों की बैठक हुई, जिसमें होर्मुज जलमार्ग को फिर से खोलने और फंसे हुए जहाजों तथा चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई। इसके तहत अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में बिना बाधा के जहाजों की आवाजाही की अहमियत को रेखांकित किया गया, क्योंकि आज के दौर में समूची दुनिया में तेल और रसोई गैस लोगों के जीवन के सबसे अहम आधार बन चुके हैं। वहीं होर्मुज जलमार्ग के बाधित होने के बाद से ही जिस तरह का ऊर्जा संकट गहराता जा रहा है, उसका भारत पर भी सीधा असर पड़ा है। जाहिर है, अन्य कई देशों की तरह भारत भी इस प्रयास में है कि जितना जल्दी हो, इस संकट का हल निकले और होर्मुज जलमार्ग को खोला जाए। बैठक में भारत ने साफ शब्दों में कहा कि युद्ध खत्म करने के लिए तनाव कम करने और सभी पक्षों के बीच संवाद के रास्ते पर लौटने की जरूरत है। यों भी, आज के दौर में कोई भी युद्ध सिर्फ उन देशों को प्रभावित नहीं करता, जिनके बीच वह लड़ा जा रहा होता है। अब यह वैश्विक चिंता का सवाल बन चुका है कि इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद ईरान ने रणनीतिक मोर्चे पर जो रुख अख्तियार किया है, उसका खमियाजा अब दुनिया के कई देशों को भुगतना पड़ रहा है। संभव है कि अमेरिका और इजराइल को जवाब देने के लिए ईरान ने हमलों के अन्य मोर्चों के साथ-साथ होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया हो, लेकिन जो देश इस युद्ध में किसी भी पक्ष में नहीं हैं, अगर उन्हें इसकी मार झेलनी पड़ रही है और आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर विपरीत असर पड़ रहा है, तो इसे कैसे देखा जाएगा। विडंबना यह है कि ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच जारी युद्ध में संवाद को लेकर फिलहाल किसी भी पक्ष में कोई उत्साह नहीं दिख रहा है। मगर कूटनीतिक तकाजे के साथ-साथ मानवीय पहलू से भी देखें, तो होर्मुज जलमार्ग को तत्काल खोलने की जरूरत है, अन्यथा वैश्विक पैमाने पर जिस तरह का ऊर्जा संकट खड़ा होगा, उसकी भरपाई लंबे समय तक नहीं की जा सकेगी।

पश्चिम बंगाल, जो कभी सांस्कृतिक चेतना, बौद्धिकता और राजनीतिक परिप[ता का प्रतीक माना जाता था, आज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ें लगातार कमजोर होती प्रतीत हो रही हैं। जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राज्य में हिंसा, अराजकता अलोकतांत्रिकता और राजनीतिक असहिष्णुता की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यह केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का परिणाम नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति घटते सम्मान और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति का भी द्योतक है।

पश्चिम बंगाल में बढ़ती अराजकता लोकतंत्र के लिए चुनौती

(ललित गर्ग)

नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है।

पश्चिम बंगाल, जो कभी सांस्कृतिक चेतना, बौद्धिकता और राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक माना जाता था, आज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ें लगातार कमजोर होती प्रतीत हो रही हैं। जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राज्य में हिंसा, अराजकता अलोकतांत्रिकता और राजनीतिक असहिष्णुता की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यह केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का परिणाम नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति घटते सम्मान और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति का भी द्योतक है। हाल ही में मालदा जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण अर्थात एसएआर को लेकर जिस प्रकार का असंतोष और तनाव देखने को मिला, वह भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अविश्वास को दर्शाता है। मतदाता सूची में नाम जुड़ना या हटना एक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके लिए स्पष्ट नियम और प्रावधान होते हैं। यदि इस प्रक्रिया को राजनीतिक चश्मे से देखा जाएगा या प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाया जाएगा, तो निष्पक्ष चुनाव की पूरी प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाएगी। एसएआर प्रक्रिया में बाधक बनते हुए जिसे तरह से न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाए जाने की घटना सामने आयी है, वह न केवल चिंताजनक है बल्कि लोकतंत्र के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। यह उस व्यापक घातक एवं विडम्बनापूर्ण प्रवृत्ति का हिस्सा है, जिसमें प्रशासनिक और न्यायिक तंत्र को भी राजनीतिक दबाव और भीड़तंत्र के आगे झुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है। विशेष रूप से यह तथ्य कि बंधक बनाए गए अधिकारियों में महिलाएं भी शामिल थीं, इस घटना को और अधिक गंभीर बना देता है। यह न केवल कानून के शासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि समाज में बढ़ती असंवेदनशीलता को भी उजागर करता है।

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का इतिहास नया नहीं है। 1960 और 70 के दशक में नक्सल आंदोलन के दौरान हिंसा का जो दौर शुरू हुआ था, उसने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया। इसके बाद वामपंथी शासन के लंबे कालखंड में भी राजनीतिक विरोधियों के प्रति असहिष्णुता और हिंसा की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहीं। सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल कांग्रेस एवं ममता बनर्जी के शासन में यह प्रवृत्ति समाप्त नहीं हुई, बल्कि नए स्वरूप में सामने आई। यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या केवल किसी एक दल या विचारधारा की नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र में व्याप्त एक गहरे संकट की है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, चुनावों के निकट आते ही जिस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं, वे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे का संकेत देती हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे संवेदनशील कार्य में लगे अधिकारियों को बंधक बनाना यह दर्शाता है कि कुछ तत्व चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मतदाता की स्वतंत्रता और निष्पक्ष चुनाव के अधिकार पर सीधा हमला है।

इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता उल्लेखनीय है। समय-समय पर न्यायालय ने राज्य सरकार को कड़े निर्देश दिए हैं और कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी की याद दिलाई है। किंतु यह भी एक चिंताजनक तथ्य है कि इन निर्देशों का जमीनी स्तर पर अपेक्षित प्रभाव नहीं दिखाई देता। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या राज्य प्रशासन एवं सत्तारूढ पार्टी इन निर्देशों को लागू करने में अक्षम है या इच्छुक नहीं है? यदि सर्वोच्च न्यायालय के

आदेश भी प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। चुनाव के समय बढ़ती अराजकता के पीछे राजनीतिक बौखलाहट भी एक महत्वपूर्ण कारण हो सकती है। जब किसी दल को अपनी लोकप्रियता में गिरावट का भय होता है, तो वह अक्सर लोकतांत्रिक मर्यादाओं को दरकिनार कर असंवैधानिक उपायों का सहारा लेने लगता है। पश्चिम बंगाल में भी कुछ ऐसी ही प्रवृत्तियां देखने को मिल रही हैं, जहां सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं पर विपक्ष को डराने, प्रशासनिक कार्यों में बाधा डालने और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लगते रहे हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के विपरीत है।

नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति इन सभी पहलुओं पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि चुनाव प्रक्रिया ही निष्पक्ष और शांतिपूर्ण नहीं रह जाती, तो लोकतंत्र का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मतदाता का विश्वास होता है, और यदि मतदाता को यह लगने लगे कि मतदाता सूची, चुनाव प्रक्रिया या प्रशासन किसी राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता स्वतः कमजोर होने लगती है। इस पूरे घटनाक्रम में प्रशासनिक नाकामी का प्रश्न भी गंभीरता से सामने आता है। किसी भी राज्य में यदि अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं, न्यायिक अधिकारी तक बंधक बना लिए जाते हैं और पुलिस या प्रशासन समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पाता, तो यह प्रशासनिक तंत्र की कमजोरी का स्पष्ट प्रमाण है। प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून व्यवस्था बनाए रखना और सरकारी कार्यों को निर्भय वातावरण में संपन्न कराना होता है। यदि प्रशासन यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है, तो इससे जनता में भय और अविश्वास दोनों बढ़ते हैं। जनता का विश्वास ही किसी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी होता है, और जब यही विश्वास डगमगाने लगता है, तो शासन की वैधता पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगते हैं।

राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। लोकतंत्र में राजनीतिक दल केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं होते, बल्कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कार्यकर्ताओं को संयम, कानून के सम्मान और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करने के लिए प्रेरित करें। लेकिन जब राजनीतिक प्रतिस्पर्धा कटु संघर्ष में बदल जाती है और कार्यकर्ताओं को किसी भी तरह से राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, तो अराजकता की स्थिति उत्पन्न होती है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि राजनीतिक दल चुनाव को युद्ध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्सव के रूप में देखें। आज आवश्यकता इस बात की है कि पश्चिम बंगाल की घटनाओं को केवल एक राज्य की समस्या न मानकर लोकतंत्र के लिए चेतावनी के रूप में देखा जाए। यदि प्रशासनिक तंत्र कमजोर होगा, राजनीतिक दल मर्यादा नहीं रखेंगे, और जनता का विश्वास कम होता जाएगा, तो लोकतंत्र केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। लोकतंत्र की रक्षा केवल संविधान या न्यायालय नहीं कर सकते, इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक निष्पक्षता और जनता की जागरूकताकृतीनों का संतुलन आवश्यक है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान परिस्थितियां हमें यही संदेश देती हैं कि लोकतंत्र को केवल चुनाव से नहीं, बल्कि व्यवस्था की निष्पक्षता, कानून के शासन और नागरिक विश्वास से मजबूत बनाया जा सकता है।

इस परिप्रेक्ष्य में आवश्यक है कि राज्य सरकार, चुनाव आयोग और न्यायपालिका मिलकर ठोस कदम उठाएं। कानून व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाए, दोषियों के खिलाफ त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई हो और प्रशासनिक तंत्र को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखा जाए। इसके साथ ही राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करें। निश्चित ही यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति एक चेतावनी है कि यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो यह अराजकता और गहराई तक फैल सकती है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि हम सभी मिलकर कानून, नैतिकता और सहिष्णुता के मूल्यों को पुनः स्थापित करें। पश्चिम बंगाल आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां से वह या तो लोकतांत्रिक पुनर्जागरण की ओर बढ़ सकता है या अराजकता के गहरे गर्त में गिर सकता है। यह निर्णय न केवल राजनीतिक नेतृत्व, बल्कि पूरे समाज को मिलकर लेना होगा।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

विश्व शांति संकट- क्यों युद्ध और संघर्ष आज भी मनुष्य की प्राथमिकता हैं

(रितुप्रिया शर्मा)

मानव जीवन संघर्ष, प्रेम, शांति, इच्छाशक्ति और दूरदर्शिता का एक अनूठा उदाहरण है। मनुष्य की मनुष्यता इसी में है कि वह बिना किसी भय के, बिना किसी को नुकसान पहुंचाए अपना जीवन जी सके और दूसरे को भी जीने दे। मगर आज की संस्कृति में अशांति के तत्त्व की प्रधानता होती जा रही है। न तो मनुष्य के व्यक्तिगत जीवन में कहीं शांति है, न ही राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कहीं शांति की किरण नजर आती है। हर तरफ संघर्ष का शोर सुनाई देता है। युद्ध और टकराव को ही सबसे आखिरी हल मान लिया गया है। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी भी प्रश्न या समस्या का समाधान शांति ही है। शांति कोई असाधारण या अप्राप्य बात नहीं है। यह बहुत साधारण है, लेकिन इसे प्राप्त करने के लिए मनुष्य को अपने आप में धीरज, प्रेम और भाईचारे के भाव को उत्पन्न करना होता है। मनुष्य की ईर्ष्या ही उसके इन भावों को बाहर आने से रोकती है और धीरे-धीरे न केवल वह खुद की शांति भंग करता है, बल्कि अपने आसपास की भी शांति को भंग करने लगता है। तात्कालिक तौर पर उसे जरूर लग सकता है कि अपनी मर्जी से वह जो कर रहा है, उससे उसे शांति मिल रही है, लेकिन वही वास्तव में उसके जीवन की अशांति का प्रबंध भी हो सकता है। यह ध्यान रखने की जरूरत होती है कि अगर किसी मोहल्ले में आग लगती है, तो उसकी आंच और आग हमारे दरवाजे तक कभी भी आ सकती है।

दुनिया में जितने भी धर्म हैं, उन सबने शांति का ही पाठ पढ़ाया है और यह एक ऐसा पाठ है, जो अहिंसा के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है। गांधी से लेकर नेल्सन मंडेला तक, गौतम बुद्ध से लेकर महावीर स्वामी तक, यहां तक कि कलिंग युद्ध के बाद महान सम्राट अशोक ने भी शांति के मार्ग को ही अपनाया। युद्ध, पीड़ा, लालसा, सब कुछ प्राप्त करने की होड़ मनुष्य को सही राह पर लेकर नहीं जाती, बल्कि इसके उलट उसे विनाश के कगार पर ले जाने में सक्षम है।

सवाल है कि शांति की इस स्थापित अहमियत और बड़े-बड़े प्रतीक महापुरुषों की शांति के लिए वकालत के बावजूद आज मनुष्य शांति के बजाय युद्ध को लेकर इतना उतावला क्यों रहता है। आज विश्व जिन आफतों से जूझ रहा है, ये सभी तकलीफें मनुष्य की ही निमंत्रित की हुई हैं। अपने आप को श्रेष्ठ कहलवाना, शक्ति को सर्वेसर्वा बना देना, मनुष्य को मनुष्य न समझकर उनकी जान की कोई कीमत नहीं आंकना, ये सभी बातें मनुष्यता के खिलाफ हैं। द्वितीय विश्वयुद्ध से आज तक अनेक युद्ध लड़े गए, देशों ने हथियारों का विकास किया। इसमें आणविक हथियार भी शामिल थे, लेकिन डर अब इस बात का हो गया है कि कहीं कोई परमाणु शक्ति से संपन्न देश किसी अन्य देश के खिलाफ इनका इस्तेमाल न कर दे। बहुत सारे देशों ने परमाणु निरस्त्रीकरण के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किया हुआ है। इसके बावजूद परमाणु हथियार बनाने की होड़ बदस्तूर जारी है।

बड़े राष्ट्रों के डर से छोटे राष्ट्र भी अपने आप को परमाणु शक्ति संपन्न बनाने में जुटे हुए हैं। बड़े राष्ट्रों का कहना है कि वे किसी अन्य राष्ट्र को परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे। वहीं छोटे राष्ट्र अपने बचाव के लिए अपने आपको परमाणु शक्ति संपन्न बनाना चाहते हैं और यहीं से शुरू होती है विश्व में हथियारों की होड़, अशांति का माहौल और आम जनता की पीड़ा। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध इसी बात को उजागर करता है कि कमजोर अपने आपको मजबूत बनाना चाहता है और मजबूत अपने से कमजोर लोगों को मजबूत होते हुए नहीं देखना चाहता। यह बात सही है कि परमाणु ऊर्जा का सदुपयोग होना चाहिए, न कि हथियारों की होड़ में इसका उपयोग। इसका मतलब यह नहीं है कि हम किसी संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण कर दें। ये मुद्दे शांति और भाईचारे से भी सुलझाए जा सकते हैं। बड़े राष्ट्रों को चाहिए कि वे छोटे देशों को आश्वस्त करें कि वे कभी भी उन पर आक्रमण नहीं करेंगे और उनको अपनी सुरक्षा के लिए आणविक हथियारों की ओर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

जापान के हिरोशिमा-नागासाकी शहरों पर परमाणु बम गिराने से उपजी त्रासदी का उदाहरण हमारे सामने है, जिसका प्रभाव आज भी देखने को मिलता है। क्या हम यह चाहते हैं कि विश्व वही स्थिति दोबारा देखे, जो उस वक्त हुई थी?

हममें से कोई भी यह नहीं चाहता कि विश्व में अशांति और असुरक्षा का माहौल पनपे और लगातार युद्धों की राजनीति में राष्ट्र अपने आपको झोंक दें। इससे न केवल समय और धन नष्ट होता है, बल्कि लोगों की जिंदगी अस्त-व्यस्त हो जाती है। वर्षों से पाया हुआ राष्ट्रीय मुकाम धराशायी हो सकता है। हमें चाहिए कि हम अपनी लालसा को नियंत्रित करें, चाहे वह व्यक्तिगत रूप से हो या राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर। हमें अपने अंदर की इस कमी को दूर करना ही होगा। वरना भविष्य में मनुष्य जाति के सामने संकट और ज्यादा बड़ा हो सकता है। आने वाली पीढ़ियों को हम ऐसा जीवन देकर जाएंगे, जो संसाधनविहीन होगा और उनकी प्रगति के सारे रास्ते बंद हो जाएंगे।

इसलिए हमें चाहिए कि हम व्यक्तिगत स्तर पर आपसी संघर्ष से और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गृहयुद्धों और महायुद्धों से दूर रहें, ताकि सभी लोग मिल-जुलकर तरक्की कर सकें और विश्व को शांति रूपी समाधान दे सकें।

वक्त जितनी तेजी से आगे भाग रहा है, उतनी ही तेजी से शायद समाज और लोगों की जीवनशैली में बदलाव भी हो रहा है। दो-ढाई दशक पहले तक ग्रामीण इलाकों में होने वाले शादी समारोहों में तस्वीर बिल्कुल अलग होती थी। वहां परिवार के साथ समाज होता था, केवल भोजन करने या समारोह में शामिल होने के लिए नहीं, बल्कि हर स्तर पर सब कुछ ठीक से निबाह देने में अपने स्तर पर हर सहयोग करने के लिए भी। शादी समारोह में शामिल सभी लोगों के लिए यह अपना आयोजन होता था। एक-दो पीढ़ी पहले के दौर में दो या तीन दिनों की अवधि के मुकाबले अब सब कुछ चंद घंटे में किसी विवाह भवन या 'बैंक्वेट' या 'विवाह भवन' में संपन्न हो जाता है। मगर अब भी कभी-कभी किसी शादी समारोह में पुराने दिनों की झलक मिल जा सकती है, जहां लोगों ने परंपरा को कायम रखने की कोशिश की।

भारत की जल समस्या केवल 'कितना पानी है' का सवाल नहीं, बल्कि 'कैसा पानी है' का भी सवाल

इसमें दोराय नहीं कि बांध, नहर, पाइपलाइन और बोरवेल आवश्यक हैं, लेकिन वे अकेले समाधान नहीं हैं। अब जरूरत इस बात की है कि जल नीति आपूर्ति बढ़ाने से आगे बढ़ कर मांग-प्रबंधन, जल गुणवत्ता, पुनर्भरण, पुनर्चक्रण और स्थानीय जल शासन पर जोर दे। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय जल नीति में संशोधन की चर्चा महत्त्वपूर्ण हो जाती है। लंबे समय से यह महसूस किया जा रहा है कि वर्ष 2012 में अद्यतन हुई नीति अब मौजूदा चुनौतियों के लिए पर्याप्त नहीं है।

(अलका 'सोनी')

हम सभी यह सुनते और जानते हुए बड़े हुए हैं कि जल है तो जीवन है। इसके बावजूद जल का अपव्यय करते हैं। जिस गति से संचय करने की बात की जाती है, उससे कई गुना पानी की बर्बादी होती है। कहीं भी सड़कों पर पानी बहते हुए देखा जा सकता है। यही कारण है कि भारत में जल संकट अब भविष्य की चेतावनी नहीं, वर्तमान की कठोर सच्चाई है। देश के अनेक हिस्सों में भूजल स्तर नीचे जा चुका है, नदियां प्रदूषण से बेहाल हैं। शहरों की जल आपूर्ति व्यवस्था दबाव में है। लोग पानी के लिए घंटों इंतजार में खड़े रहते हैं। जलवायु परिवर्तन ने वर्षा को भी इतना अनिश्चित बना दिया है कि कहीं बाढ़ और कहीं सूखा एक साथ दिखाई देता है। समस्या केवल पानी की कमी की नहीं है, असली संकट यह है कि प्रकृति की अपनी सीमाएं हैं। जल संचय के लिए बनी नीतियों की धीमी गति और समाज के असंतुलित जल-व्यवहार के बीच आज भारत बुरी तरह उलझता जा रहा है।

भारत में जल संकट इसलिए भी जटिल है, क्योंकि यहां पानी का सवाल सिर्फ पर्यावरण का नहीं, बल्कि कृषि, स्वास्थ्य, शहरीकरण, सामाजिक न्याय और शासन-व्यवस्था सबसे जुड़ा है। भूजल पर भारत की निर्भरता बहुत गहरी है। केंद्रीय भूजल बोर्ड और सरकार द्वारा जारी नवीनतम आकलन के अनुसार, वर्ष 2025 में देश की कुल वार्षिक भूजल पुनर्भरण क्षमता 448.52 बिलियन क्यूबिक मीटर आंकी गई, जबकि वार्षिक निकासी 247.22 बिलियन क्यूबिक मीटर रही। पहली नजर में यह संतुलित लग सकता है, लेकिन सच यह है कि राष्ट्रीय औसत के भीतर क्षेत्रीय असंतुलन छिपा हुआ है। कई इलाके ऐसे हैं जहां निकासी सुरक्षित सीमा के आसपास या उससे ऊपर है, जबकि दूसरे क्षेत्रों में संसाधन अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में हैं। यही वजह है कि जल संकट पूरे देश में एक समान नहीं, बल्कि कई रूप में सामने आता है।

इसमें दोराय नहीं कि बांध, नहर, पाइपलाइन और बोरवेल आवश्यक हैं, लेकिन वे अकेले समाधान नहीं हैं। अब जरूरत इस बात की है कि जल नीति आपूर्ति बढ़ाने से आगे बढ़ कर मांग-प्रबंधन, जल गुणवत्ता, पुनर्भरण, पुनर्चक्रण और स्थानीय जल शासन पर जोर दे। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय जल नीति में संशोधन की चर्चा महत्त्वपूर्ण हो जाती है। लंबे समय से यह महसूस किया जा रहा है कि वर्ष 2012 में अद्यतन हुई नीति अब मौजूदा चुनौतियों के लिए पर्याप्त नहीं है। जल संसाधन मंत्रालय के दस्तावेजों में भी यह स्वीकार किया गया है कि कम जल-उपयोग दक्षता, भूजल पर बढ़ता दबाव, जलवायु परिवर्तन, अपशिष्ट जल के दोबारा उपयोग और फसल-पद्धति जैसे मुद्दों को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय जल नीति के पुनरीक्षण की जरूरत पड़ी। मिहिर शाह समिति इसी उद्देश्य से गठित की गई थी।

बुनियादी सवाल यह है कि जब संकट इतना स्पष्ट है, तो सुधार की गति इतनी धीमी क्यों है! इसका उत्तर भारत की संघीय संरचना और जल शासन की जटिलता में छिपा है। जल राज्यों का विषय है। केंद्र दिशा दे सकता है, योजनाएं बना सकता है, वित्तीय सहायता दे सकता है, पर वास्तविक क्रियान्वयन राज्यों, स्थानीय निकायों और विभागीय तंत्र के माध्यम से ही होता है। यही कारण है कि राष्ट्रीय स्तर पर अच्छी नीयत से बनाई गई नीतियां भी जमीन तक पहुंचते-पहुंचते धीमी पड़ जाती हैं। ऊपर से पानी का प्रश्न राजनीतिक रूप से संवेदनशील भी है। मुफ्त या सस्ती बिजली, सिंचाई, शहरी जलापूर्ति, उद्योगों की जरूरतें और राज्यों के जल विवाद ये सब मिल कर निर्णय को कठिन बना देते हैं।

कृषि इस बहस के केंद्र में है, क्योंकि भारत में जल उपयोग का सबसे बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र में होता है। मगर कृषि को दोष देकर समस्या हल नहीं होगी। असल बात यह है कि दशकों से नीतिगत

ढांचा ही ऐसे फसल को बढ़ावा देता रहा है जो कई क्षेत्रों में जल-उपलब्धता के अनुकूल नहीं हैं। जहां पानी सीमित है, वहां भी धान या गन्ने जैसी फसलों की खेती जारी रहती है, जिसमें पानी की अधिक जरूरत होती है। इस परिस्थिति में यदि जल संरक्षण की बात की जाए, तो किसानों को विकल्प, तकनीक, सिंचाई, बाजार और मूल्य का आश्वासन भी देना होगा।

समस्या का दूसरा बड़ा कारण जल गुणवत्ता है। कई बार पानी उपलब्ध होता है, पर सुरक्षित नहीं होता। केंद्रीय भूजल बोर्ड की 2025 की वार्षिक भू-जल गुणवत्ता रपट और संसद में सरकार द्वारा साझा जानकारी बताती है कि परीक्षण के लिए एकत्रित 28.3 फीसद नमूनों में नाइट्रेट, फ्लोराइड और आर्सेनिक जैसी समस्याएं अभी भी गंभीर हैं। दिसंबर 2025 में साझा आंकड़ों के अनुसार 2024 के नमूनों में 3,415 में से 123 नमूनों में आर्सेनिक और 2,537 में से 24 नमूनों में सीसा अनुमेय सीमा से अधिक पाया गया। इसका मतलब साफ है कि भारत की जल समस्या केवल 'कितना पानी है' का प्रश्न नहीं, बल्कि 'कैसा पानी है' का भी प्रश्न है।

शहरी भारत में भी स्थिति कम चिंताजनक नहीं है। तेजी से बढ़ते शहरों ने अपने स्थानीय जलस्रोतों जैसे तालाबों, झीलों, नालों और जलग्रहण क्षेत्रों को या तो पाट दिया है या उपेक्षित छोड़ दिया है। नतीजा यह हुआ कि शहर अब दूरदराज के स्रोतों, गहरे बोरवेल और टैंकरों पर निर्भर होते गए। यह व्यवस्था महंगी है और असमान भी। धनाढ्य इलाके में लोग पानी खरीद लेते हैं, लेकिन गरीब बस्तियां अनिश्चित आपूर्ति पर निर्भर रहती हैं। शहरों में सीवर और औद्योगिक अपशिष्ट का पर्याप्त शोधन न होने के कारण सतही जल स्रोत और भूजल दोनों प्रभावित होते हैं। यानी शहर अपने लिए पानी खींचते भी हैं और उसे प्रदूषित भी करते हैं। यह दोहरा दबाव भविष्य की शहरी जल सुरक्षा को और अधिक नाजुक बनाता है।

ग्रामीण भारत में तस्वीर अलग होते हुए भी उतनी ही गंभीर है। पिछले कुछ वर्षों में जल जीवन मिशन ने ग्रामीण पेयजल आपूर्ति के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। जनवरी 2026 के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मिशन के तहत 81.57 फीसद से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से जल दिया जा चुका है। यह उपलब्धि छोटी नहीं है। वर्ष 2019 में जहां केवल सीमित हिस्से तक नल-जल पहुंचा था, वहीं अब स्थिति काफी बदली है। मगर चुनौती यहीं समाप्त नहीं होती। पाइप के जरिए पानी देना एक बात है, नियमित, पर्याप्त और सुरक्षित जल आपूर्ति सुनिश्चित करना दूसरी बात है। कार्यक्षमता आकलन रपट भी इस बात की ओर संकेत करती है कि 'कनेक्शन' और 'भरोसेमंद सेवा' में फर्क है।

यही वह बिंदु है जहां समाज की भूमिका बहुत अहम हो जाती है। भारत में पानी को अब भी असीमित संसाधन की तरह बरतने की प्रवृत्ति व्यापक है। घरों में अपव्यय, कालोनियों में वर्षाजल संचयन की उपेक्षा, भूजल के अनियंत्रित दोहन और स्थानीय जलस्रोतों के प्रति उदासीनता ये सब मिल कर संकट को गहरा करते हैं। दूसरी ओर, यही समाज समाधान का आधार भी बन सकता है। जहां पंचायतें, मोहल्ले, किसान समूह, स्वयंसेवी संस्थाएं और स्थानीय प्रशासन मिल कर जलस्रोतों के पुनर्जीवन, तालाबों की मरम्मत और फसलों के विविधीकरण जैसे उपाय करते हैं, वहां परिणाम अधिक टिकाऊ दिखते हैं। नीतियां तभी सफल होती हैं, जब समाज उसे अपना कार्यक्रम समझे, केवल सरकारी योजना नहीं। हाल के वर्षों में जल बजट पर भी जोर बढ़ा है, जो इस दिशा में उपयोगी कदम हो सकते हैं।

पानी का संकट दुनिया भर में गहराता जा रहा है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। आधिकारिक रिपोर्ट के मुताबिक पृथ्वी पर कुल उपलब्ध पानी का 97.5 फीसदी हिस्सा समुद्री है, बाकी 2.5 फीसदी हिस्सा मीठा जल है, लेकिन इसका भी काफी मात्रा प्रदूषित है, जो पीने योग्य नहीं है। एक अनुमान के अनुसार कुल जल का केवल एक फीसदी हिस्सा ही पीने योग्य है, जो दुनिया की आबादी के लिहाज से बहुत कम है। ऐसे में जल संकट भयावह होता जा रहा है। भारत सरकार का जल शक्ति मंत्रालय, जल प्रबंधन और संरक्षण खास तौर पर वर्षा जल संरक्षण के लिए कदम उठा रहा है, और इस दिशा में कई तरह के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अब भी परिणाम अपेक्षा के अनुरूप नहीं है। जल शक्ति मंत्रालय को लोगों को पेयजल उपलब्ध कराने सहित पानी के दूसरे मुद्दों से निपटने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके लिए विभाग ने कई महत्वाकांक्षी योजनाएं बनाई है, इसमें सबसे प्रमुख 2024 तक भारत के हर घर में पाइप से पानी के कनेक्शन उपलब्ध कराने की योजना है।

बस्तर संभाग की कृषि समीक्षा: मंत्री रामविचार नेताम ने अफसरों को दिए सख्त निर्देश-किसानों को न हो खाद की किल्लत

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर /:-कांकेर छत्तीसगढ़ के कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी मंत्री रामविचार नेताम ने आज कांकेर प्रवास के दौरान बस्तर संभाग के चार जिलों (कांकेर, कोण्डागांव, नारायणपुर और बस्तर) के विभागीय अधिकारियों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। बैठक में मंत्री ने खरीफसीजन की तैयारियों को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया कि किसानों को खाद-बीज की कमी नहीं होनी चाहिए और कालाबाजारी करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। मंत्री नेताम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे उर्वरक विक्रय केंद्रों की सघन जांच करें। उन्होंने कहा कि समय-समय पर आकस्मिक निरीक्षण किया जाए और यदि कहीं भी अनियमितता या कालाबाजारी पाई जाती है, तो तत्काल कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने खरीफ सीजन के लिए उर्वरकों के अग्रिम भंडारण और वितरण की भी जिलेवार समीक्षा की। बैठक के दौरान कृषि मंत्री ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए पारंपरिक फसलों के साथ-साथ नवाचार पर जोर दिया: पाम ऑयल की खेती: उद्यानिकी विभाग को निर्देशित किया गया कि वे किसानों को पाम ऑयल की खेती के लिए जागरूक करें और लक्ष्य के अनुरूप हितग्राहियों का चयन करें। वैकल्पिक फसलें: कम पानी और कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाली फसलों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए। जैविक खाद का उपयोग: रासायनिक खादों पर निर्भरता कम करने के लिए जैविक और हरी खाद के उपयोग को प्रोत्साहित करने को कहा गया। मंत्री ने बताया कि प्रदेश में 05 से 20 मई तक 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से किसानों को खाद के वैकल्पिक उपयोग, नई तकनीकों और सरकारी योजनाओं की जानकारी सीधे उनके खेतों तक पहुँचाई जाएगी। मंत्री ने कांकेर जिले में मत्स्य पालन के क्षेत्र में हुई प्रगति की सराहना की और इसे महिला स्व-सहायता समूहों से जोड़ने का सुझाव दिया। साथ ही, पशुधन विकास विभाग को कुक्कुट (पोल्ट्री), बकरी पालन और डेयरी विस्तार के लिए कार्य करने को कहा ताकि किसानों को खेती के अलावा अतिरिक्त आमदनी मिल सके। इस उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में प्रदेश की कृषि उत्पादन आयुक्त शहला निगार, संचालक कृषि अजय अग्रवाल, संचालक पशुधन चंद्रकांत वर्मा, संचालक उद्यानिकी लोकेश कुमार, जिला पंचायत सीईओ कांकेर हरेश मंडावी, अपर कलेक्टर अरूण वर्मा सहित संभाग के चारों जिलों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

'गांव चलो-बस्ती चलो' अभियान में गांवों की हकीकत जानने निकले भाजपा नेता

धनोरा में आवास योजना की प्रगति, नल-जल योजना की पाइपलाइन कनेक्टिविटी पर उठी शिकायत

बीजापुर/मूक पत्रिका

'गांव चलोङ्कबस्ती चलो अभियान 2026' के तहत भाजपा नेता गांवों में पहुंचकर जमीनी हकीकत जान रहे हैं। इसी क्रम में भाजपा जिला महामंत्री संजय लुक्कड़ ने ग्राम पंचायत धनोरा का दौरा कर ग्रामीणों से सीधे संवाद किया और योजनाओं की स्थिति की जानकारी ली। दौरे के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकानों का निर्माण कार्य जारी है और कई परिवारों को इसका लाभ मिल रहा है। वहीं नल-जल योजना को लेकर कुछ स्थानों पर पाइपलाइन कनेक्टिविटी की समस्या सामने आई। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत रखी, जिस पर संजय लुक्कड़ ने संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर जल्द समाधान कराने की बात कही।अभियान के तहत 7 अप्रैल से 12 अप्रैल तक विभिन्न गांवों में चौपाल लगाकर लोगों से सीधा संवाद किया जा रहा है। इस दौरान योजनाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करने के साथ ही लाभार्थियों से फीडबैक भी लिया जा रहा है। जिला महामंत्री संजय लुक्कड़ ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें, यही इस अभियान का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि हर जरूरतमंद तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्राथमिकता है, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति इससे वंचित न रहे।अभियान के दौरान कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं और उन्हें संबंधित विभागों तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

हिंदी विषय के प्रश्नपत्रों को थाना में सुरक्षित जमा कराने हेतु विधिवत रवाना किया गया

मुंगेली/मूक पत्रिका

जिले में कक्षा 12वीं हिंदी विषय की पुनः आयोजित होने वाली परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था और गोपनीयता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इसी क्रम में हिंदी विषय के प्रश्नपत्रों को थाना में सुरक्षित जमा कराने हेतु विधिवत रवाना किया गया। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशन में परीक्षा संबंधी सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ रूप से सुनिश्चित की जा रही हैं। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, गोपनीयता और समयबद्ध वितरण को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा विशेष निगरानी व्यवस्था लागू की गई है। प्रश्नपत्रों को सीलबंद सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत संबंधित थाना में जमा कराने के लिए अधिकृत अधिकारियों की उपस्थिति में रवाना किया गया। डिप्टी कलेक्टर एवं परीक्षा के नोडल अधिकारी मायानंद चंद्रा ने बताया कि हिंदी विषय की पुनः परीक्षा 10 अप्रैल 2026 को जिले के 66 परीक्षा केंद्रों में आयोजित की जाएगी। प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया गया है कि परीक्षा पूर्णतः निष्पक्ष, पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो। सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा बलों की तैनाती, सतत निगरानी तथा गोपनीय प्रक्रिया का कड़ाई से पालन किया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी एल.पी. डाहिरे ने बताया कि परीक्षार्थियों के रोल नंबर एवं परीक्षा केंद्र यथावत रहेंगे तथा सभी छात्र-छात्राएं पूर्व निर्धारित केंद्रों पर ही परीक्षा देंगे। प्रशासन की इस त्वरित और सतर्क कार्यवाही से विद्यार्थियों एवं अभिभावकों में परीक्षा प्रक्रिया के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों को परीक्षा की गोपनीयता और सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए हैं।

बंदूक छोड़ थामी विकास की राह:मुख्यधारा में लौटे नक्सलियों को मिली प्राइवेट नौकरी,

प्रशिक्षण उपरांत नियोजन करने वाला पहला जिला बना कांकेर

कांकेर /मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ उत्तर बस्तर कांकेर बस्तर में अब बदलाव की एक नई तस्वीर उभर रही है। कल तक जंगलों में भटकने वाले और हिंसा का रास्ता चुनने वाले हाथ अब समाज के निर्माण में जुट गए हैं। जिला प्रशासन की 'नक्सल पुनर्वास नीति' के तहत कांकेर जिले ने एक ऐसी मिसाल पेश की है, जिसकी चर्चा पूरे प्रदेश में हो रही है।भानुप्रतापपुर के चौगेल पुनर्वास केंद्र में 40 आत्मसमर्पित नक्सली अब समाज की मुख्यधारा से जुड़कर नए काम सीख रहे हैं। कलेक्टर नीलेशकुमार महादेव क्षीरसागर की देखरेख में इन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए विशेष ट्रेनिंग दी जा रही है।लकड़ी का काम: सुंदर नेम प्लेट, सरकारी बोर्ड और सजावटी सामान बनाना।तकनीकी काम: बिजली मिस्त्री (इलेक्ट्रिशियन), राजमिस्त्री, सिलाई और ड्राइविंग ।शिक्षा: युवाओं को पढ़ने के लिए किताबें और शिक्षक भी उपलब्ध कराए गए हैं। इस पहल की सबसे बड़ी सफलता यह है कि प्रशिक्षण के बाद इन युवाओं को सीधे रोजगार मिल रहा है। हाल ही में 4 युवाओं (सगनूराम आंचला, रोशन नेताम, बीरसिंह मंडावी और संजय नेताम) को 15,000 रुपये महीने की सैलरी पर प्राइवेट सेक्टर में नौकरी मिली है। कलेक्टर ने खुद उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।यह कैंप अब केवल एक सरकारी केंद्र नहीं, बल्कि 'हुनर का गढ़' बन चुका है। यहाँ रहने वालों के लिएस्वास्थ्य विभाग की टीम नियमित जांच और दवाइयां देती है। खेती और पशुपालन जैसे स्वरोजगार के लिए भी ट्रेनिंग दी जा रही है। कांकेर जिला प्रशासन का यह प्रयास साबित करता है कि अगर सही दिशा और मौका मिले, तो हिंसा का रास्ता छोड़कर हर कोई सम्मानजनक जीवन जी सकता है। आज ये युवा न केवल अपना भविष्य सुधार रहे हैं, बल्कि दूसरों के लिए प्रेरणा भी बन रहे हैं।

जिले में पेट्रोल-डीजल व गैस आपूर्ति पर प्रशासन की सख्त निगरानी, शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु कंट्रोल रूम सक्रिय

मुंगेली/मूक पत्रिका

कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार जिले में उपभोक्ताओं को पेट्रोल, डीजल एवं गैस सिलेंडरों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए व्यापक निगरानी की जा रही है। राजस्व एवं खाद्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जिले के पेट्रोल पंपों, गैस एजेंसियों, होटल-प्रतिष्ठानों एवं अन्य संबंधित स्थानों पर लगातार जांच और निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। जिला खाद्य अधिकारी पंकज सेतपाल ने बताया कि पेट्रोल, डीजल एवं गैस सिलेंडर की जमाखोरी, कालाबाजारी तथा उपभोक्ताओं से प्राप्त शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। यह कंट्रोल रूम कक्ष क्रमांक 105 में संचालित किया जा रहा है। साथ ही तहसील स्तर पर संयुक्त निगरानी एवं जांच दलों का गठन कर दिया गया है, जो नियमित रूप से स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं। किसी भी समस्या की स्थिति में संबंधित विभाग अथवा टोल-फ्री 18002333663 के साथ ही काल सेंटर के नम्बर 9406275513,9406275514,9406275534,9406275535 और 0775529903 पर संपर्क कर सकते हैं।

किसी भी प्रकार की समस्या होने पर जिला कॉल सेंटर में शिकायत दर्ज कराई जा सकती है, जिसका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि जिले में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है, इसलिए किसी भी प्रकार की अफवाहों या सोशल मीडिया पर प्रसारित भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान न दें। नागरिक केवल आवश्यकता अनुसार ही गैस बुकिंग करें और घबराहट में अतिरिक्त खरीदारी से बचें।

स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति समीक्षा की

मुंगेली/मूक पत्रिका

कलेक्टर कुदन कुमार के निर्देशानुसार जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा ने बैठक लेकर स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति समीक्षा की। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति का विस्तृत आकलन किया गया। बैठक के दौरान डॉ. साहा ने स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत संचालित सभी प्रमुख योजनाओं की गहन समीक्षा की। इसमें मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम 'चिरायु', राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम तथा मौसमी बीमारियों से निपटने की तैयारियों पर विशेष रूप से चर्चा की गई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से प्रत्येक योजना के अंतर्गत प्राप्त भौतिक उपलब्धियों एवं वित्तीय व्यय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करवाई तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डॉ. साहा ने स्पष्ट कहा कि सभी योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है और लक्ष्य प्राप्ति में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कम प्रगति वाली योजनाओं पर विशेष ध्यान केंद्रित करने और आगामी दिनों में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीएमएचओ डॉ. साहा ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और आमजन तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को सक्रियता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करना होगा। बैठक में जिला कार्यक्रम प्रबंधक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन डॉ. गिरीश कुर्रे, जिला क्षय नियंत्रण अधिकारी डॉ. सुदेश रात्रे, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. कमलेश कुमार, जिला नोडल अधिकारी एनसीडी डॉ. मनीष बंजारा, खंड चिकित्सा अधिकारी पथरिया डॉ. अमित लाल सहित जिले के समस्त विकासखंडों के कार्यक्रम प्रबंधक, डाटा प्रबंधक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

साइंस एंड टेक्नोलॉजी आधारित पांच दिवसीय प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ

मुंगेली/मूक पत्रिका

जिले में शिक्षा की गुणवत्ता को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए पीएमश्री स्कूलों के शिक्षकों का आईआईटी भिलाई में साइंस एंड टेक्नोलॉजी आधारित पांच दिवसीय प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में जिले के 148 शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए नवीन शैक्षणिक तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षण पद्धति को और अधिक प्रभावी बनाना, कक्षा शिक्षण में नवाचार को बढ़ावा देना तथा विज्ञान एवं तकनीक के समावेश से विद्यार्थियों की समझ को बेहतर करना रहा। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर एवं एआई आधारित शिक्षण, एनईटी इंटीग्रेशन, स्टेम गतिविधियां, एस्ट्रोफिजिक्स, नैनो टेक्नोलॉजी, ह्यूमन बॉडी साइंस, कैरियर गाइडेंस, रोबोटिक्स, एग्रीकल्चर लैब, सीपीआर प्रशिक्षण सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में विशेष रूप से प्रायोगिक (हैंड्स-ऑन) गतिविधियों पर जोर दिया गया, जिससे शिक्षक कक्षा में विद्यार्थियों को सरल और रोचक तरीके से पढ़ा सकें। प्रशिक्षण के दौरान तैयार किए गए मॉडल एवं प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन भी किया गया, जिसे प्रतिभागियों ने सराहा। समापन अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस दौरान पीएमश्री सेजेस दाऊपारा मुंगेली के व्याख्याता श्रीमती पल्लवी ओझा को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पीएमश्री दाऊपारा मुंगेली, पीएमश्री शासकीय स्कूल फुलवारी बंधवा मुंगेली, पीएमश्री सेजेस पथरिया एवं पीएमश्री सेजेस बीआरसावा स्कूल के शिक्षक शामिल हुए।

टाटा 1109 वाहन समेत भारी मात्रा में जलाऊ लकड़ी जप्त

करपावंड में अवैध लकड़ी तस्करी पर वन विभाग का कड़ा प्रहार

जगदलपुर/मूक पत्रिका

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशों और विभाग की 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत बस्तर में अवैध कटाई और तस्करी के विरुद्ध अभियान तेज कर दिया गया है। इसी कड़ी में मंगलवार 7 अप्रैल को वन परिक्षेत्र करपावंड के अंतर्गत ग्राम गारेंगा के बाजार चौक पर वन विभाग की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। वाहन चेकिंग के दौरान टाटा 1109 वाहन क्रमांक ष्टत्र27 त्न 0144 को रोककर जब उसकी तलाशी ली गई, तो उसमें महुआ एवं आम के जलाऊ मिश्रित 07 चट्ठा अवैध रूप से परिवहन करते पाए गए। वाहन चालक भवानी प्रसाद सूर्यवंशी, निवासी देउरबाल (कोंडागाँव), मौके पर वनोपज परिवहन से संबंधित कोई भी वैध अनुज्ञा पत्र या दस्तावेज प्रस्तुत करने में पूरी तरह असफल रहा। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर परिसर रक्षक तुलेश बघेल द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए लकड़ी के सातों चट्टे और वाहन को भारतीय वन अधिनियम 1927 एवं छत्तीसगढ़ अभिवहन (वनोपज) नियम 2001 की सुसंगत धाराओं के तहत जप्त कर लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वन परिक्षेत्र अधिकारी करपावंड ने जप्त वाहन और सामग्री को राजसात करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिसकी विधिवत सूचना प्राधिकृत अधिकारी एवं उपवनमंडलाधिकारी बस्तर को प्रेषित कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि मुख्य वनसंरक्षक जगदलपुर वृत्त श्री आलोक कुमार तिवारी एवं वनमंडलाधिकारी बस्तर श्री उत्तम कुमार गुप्ता के सतत मार्गदर्शन में विभाग वनों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि वनों की अवैध कटाई, तस्करी और अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भविष्य में भी इसी तरह की कठोर दंडात्मक कार्रवाई जारी रहेगी। इस सफल कार्रवाई से क्षेत्र के लकड़ी तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

गुरुग्राम में ग्लोबल सिटी-विजन सिटी को जोड़ेगा 4-लेन अंडरपास

गुरुग्राम , एजेंसी। हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं संरचना विकास निगम

(एचएसआईआईडीसी) ने गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेसवे पर स्थित ग्लोबल सिटी और विजन सिटी को आपस में जोड़ने की तैयारी शुरू कर दी है। एचएसआईआईडीसी ने इसके लिए गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिरकण (जीएमडीए) से अनापत्ति प्रमाण पत्र मांगा है। एचएसआईआईडी की तरफ से सेक्टर-36 और सेक्टर-37 में करीब एक हजार एकड़ में ग्लोबल सिटी विकसित करने की योजना बनाई है। इसके दूसरी तरफ सेक्टर-88 में करीब 121 एकड़ में विजन सिटी विकसित करने की योजना है। ग्लोबल सिटी में औद्योगिक, रिहायशी और व्यावसायिक क्षेत्र विकसित किए जाएंगे, जबकि विजन सिटी में व्यावसायिक क्षेत्र विकसित किए जाएंगे। इन दोनों को आपस में जोड़ने के लिए द्वारका एक्सप्रेसवे के नीचे पटौदी रोड चौराहे के पास चार लेन का भूमिगत अंडरपास (ट्रम्पेट इंटरचेंज) बनाया जाएगा। इसके निर्माण पर करीब 923 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस अंडरपास का निर्माण भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की तरफ से द्वारका एक्सप्रेसवे के यातायात को बाधित किए बिना किया जाएगा। इसके निर्माण में आई लागत को एचएसआईआईडीसी की तरफ से वहन किया जाएगा। पिछले साल पांच सितंबर को राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता में इस सिलसिले में एनएचएआई, एचएसआईआईडीसी और जीएमडीए अधिकारियों की एक बैठक हुई थी। इसमें इस परियोजना को मंजूरी प्रदान कर दी गई थी। अंडरपास निर्माण के लिए जीएमडीए की जमीन की जरूरत होगी, जिसके लिए एचएसआईआईडीसी ने अनापत्ति प्रमाण पत्र मांगा है। इस सिलसिले में एचएसआईआईडीसी के सहायक महाप्रबंधक एके गर्ग की तरफ से जीएमडीए की परियोजना समव्यक को पत्र लिखा है। बता दें कि विजन सिटी में बड़े-बड़े शोरूम, होटल और अस्पताल का निर्माण होगा।

बाराही मेला: दंगल, रागनी और पारंपरिक व्यंजनों का होता था विशेष आकर्षण

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। बाराही मेला सिर्फ मनोरंजन का केंद्र नहीं बल्कि भारतीय ग्रामीण जीवन की झलक दिखाने वाला जीवांत मंच भी है। यहां चौपाल पर पारंपरिक वस्तुएं जैसे सबसे बड़ी चारपाई, हुक्का, पीढ़ा, रई, हाथ से चलने वाली आटा चक्की और बैलगाड़ी विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। सभी चीजें आज भी नई पीढ़ी को गांव की उस संस्कृति से जोड़ने का काम कर रही है, जो धीरे-धीरे आधुनिकता की दौड़ में कहीं न कहीं पीछे छूट चुकी है। स्याना गांव की बुजर्ग 95 वर्षीय भौती बताती हैं कि उनकी शादी देश की आजादी से पहले ही हो गई थी। जब शादी हुई उनकी उम्र महज 13 से 14 साल रही होगी। उन्हें आज भी याद है जब वह पहली बार मेला देखने गई तो अन्य महिला व पुरुषों के साथ पैदल ही गई थीं। उस समय गांव से बाराही जाने के लिए रास्ता नहीं था। हा कि बीच में जंगलात (मौजूदा समय में पक्षी विहार) पार कर बाराही माला देखने लोग पैदल ही जाया करते थे। रास्ते में एक नाला (लोहिया खार) भी पड़ता था। जिसे पार करने के लिए लोग बांस डाल लिया करते थे। ताया कि पुरुष महिलाओं व बच्चों को पहले सुरक्षित नाला पार कराते थे। महिलाएं समूह में गीत गाते हुए गंतव्य तक पहुंची थीं। उस समय सरोवर कच्चा था। चर्म रोग से पीड़ित लोग दूर दराज से आकर पूजा करने के बाद नहाया करते थे और नहाने के कुछ दिनों बाद ठीक भी हो जाया करते थे। र की महिलाएं मिट्टी का घड़ा, पीढ़ा, रई, तवा चिमटा आदि साल भर की दैनिक जरूरतों से भरा सामान खरीदा करती थीं वहीं बच्चे भी झूला झूलने, खिलौने खरीदने के साथ लजीज व्यंजनों का लुत्फ उठाया करते थे। क अन्य बुजुर्ग सूरजपुर निवासी लिखीराम बताते हैं कि उस समय भी मेले में रागनी व दंगल प्रतियोगिता हुआ करती थी।

प्रेमानंद महाराज से मिलने का गजब जुनून; कमर से कार खींचकर आगरा से वृंदावन पहुंचा पहलवान

वृंदावन, एजेंसी। धर्म नगरी वृंदावन में रोजाना हजारों भक्त अपने आराध्य और संतों के दर्शन के लिए उमड़ते हैं, लेकिन रविवार को आगरा से आए एक युवक ने भक्ति और शारीरिक शक्ति का जो प्रदर्शन किया, उसने सबको हतप्रभ कर दिया। आगरा का एक पहलवान अपनी कमर से रस्सी बांधकर कार खींचते हुए 90 किलोमीटर का लंबा सफर तय कर कान्हा की नगरी पहुंचा। उसका यह जुनून संत प्रेमानंद महाराज की एक झलक पाने और उनका आशीर्वाद लेने के लिए थी।

90 किलोमीटर का संघर्षपूर्ण सफर: आगरा के अकोला चाहर वाटी क्षेत्र के निवासी पहलवान गौरव चाहर ने अपनी यह हैरतअंगेज यात्रा 2 अप्रैल को अपने पैतृक गांव से शुरू की थी। चिलचिलाती धूप और पथरीले रास्तों की परवाह किए बिना, गौरव ने अपनी कमर में मोटी रस्सी बांधी और भारी-भरकम कार को खींचना शुरू किया। आगरा से वृंदावन की दूरी लगभग 90 किलोमीटर है, जिसे उन्होंने रविवार को पूरा किया। जैसे ही वह कार खींचते हुए वृंदावन की सीमाओं में दाखिल हुए। स्थानीय लोगों और तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ उन्हें देखने के लिए उमड़ पड़ी। लोग इस दृश्य को अपने कैमरों में कैद करने लगे। 'राधे-राधे' के जयघोष से माहौल गुंजायमान हो गया। गौरव ने बताया कि यह सफर आसान नहीं था, लेकिन मन में संत प्रेमानंद महाराज से मिलने की इच्छा ने उन्हें रुकने नहीं दिया। इस पूरी यात्रा के दौरान गौरव के परिजन और उनके मित्र निरंतर उनके साथ रहे। वे न केवल गौरव का हौसला

बढ़ाते रहे, बल्कि सुरक्षा के लिहाज से भी कार के आसपास मौजूद रहे। गौरव का कहना है कि वे प्रेमानंद महाराज के प्रवचनों से बेहद प्रभावित हैं और उनसे व्यक्तिगत वार्ता कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करना चाहते हैं।

भक्ति और योग का संदेश

पहलवान गौरव चाहर का यह प्रयास केवल एक रिकॉर्ड बनाने के लिए नहीं था, बल्कि वे इसके जरिए युवाओं को नशे से दूर रहने और शारीरिक सौष्ठव के साथ अध्यात्म से जुड़ने का संदेश देना चाहते हैं। हालांकि, रविवार को भारी भीड़ और सुरक्षा कारणों के चलते उनकी मुलाकात महाराज से नहीं हो पाई, लेकिन उनका कहना है कि वे दर्शन किए बिना वापस नहीं जाएंगे।

संतों के प्रति ऐसी कठिन तपस्या और श्रद्धा भाव आज के दौर में विरले ही देखने को मिलता है। फिलहाल, सोशल मीडिया पर गौरव के इस कारनामे के वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं और लोग उनकी इस कठिन 'कार-सेवा' की सराहना कर रहे हैं। माना जा रहा है कि जल्द ही उनकी मुलाकात प्रेमानंद महाराज से होगी।

फरीदाबाद में देवरानी बनी जल्लाद, 2 जेठानियों पर पेट्रोल फेंक जलाया, एक की मौत

फरीदाबाद , एजेंसी। फरीदाबाद के डबुआ थाना क्षेत्र में देवरानी की हैवानियत सामने आई है। देवरानी ने अपनी ही दो जेठानियों पर पैट्रोल डालकर आग लग लगा दिया। हमले में गंभीर रूप से जख्मी में एक जेठानी की मौत हो गई। 46 वर्षीय सीमा ने रविवार को जयपुर के अस्पताल में दम तोड़ दिया। उसकी हालत बेहद गंभीर बनी हुई थी। वहीं, उसकी बहन 47 वर्षीय मीना अब भी अस्पताल में भर्ती है। पुलिस ने आरोपी देवरानी पिंकी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है और वह अभी रिमांड पर है। पुलिस ने मामले में अब हत्या की धारा भी जोड़ दी है। मूलरूप से भरतपुर के रहने वाले देवेश डबुआ कॉलोनी में परिवार के साथ रहते हैं। उनकी पत्नी सीमा की छोटी बहन मीना की शादी उनके मझले भाई गजपाल सिंह के साथ हुई है। वहीं, सबसे छोटे भाई की शादी पिंकी नाम की महिला से हुई है। दोनों बहनें अपने-अपने परिवार के साथ एक ही मकान में ऊपर-नीचे रहती थीं। मीना के दो बच्चे हैं, जबकि सीमा के तीन बच्चे हैं। सबसे छोटा भाई वेदबीर पत्नी पिंकी के साथ डबुआ चौक के पास रहता है। देवरानी पिंकी इस बात से चिढ़ती थी कि दोनों बहनों की एक ही घर में शादी हो रखी है और इनके बीच अच्छे संबंध हैं। इसी रंजिश में वह कई हफ्तों से अपने पति की बाइक से थोड़ा-थोड़ा पेट्रोल चुराकर जमा कर रही थी। मीना ने आरोप लगाया था कि 3 अप्रैल को पिंकी एक बैग लेकर मीना और सीमा के घर पहुंची। दोनों बहनों ने उसके लिए चाय और खाना भी बनाया।

पाक से मेरे खिलाफ मैटीरियल लाई कांग्रेस, 10 दिन में वहां असम पर हुए 11 शो: हिमंत बिस्वा सरमा

गुवाहटी, एजेंसी। पुवअसम विधानसभा चुनाव के लिए 9 अप्रैल को मतदान होने वाला है और उससे पहले पाकिस्तान से लेकर दुबई तक की चर्चा हो रही है। कांग्रेस ने हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां सरमा के नाम दुबई में प्रॉपर्टी और अमेरिका में कंपनी होने के आरोप लगाए तो वहीं सीएम ने इसमें पाकिस्तानी ऐंगल बता दिया। उन्होंने सोमवार को कहा, 'कल पवन खेड़ा और गौरव गोगोई ने दो प्रेस कॉन्फ्रेंस कीं। एक दिल्ली में हुई और एक गुवाहाटी में की गई। हमने अपनी रिसर्च में पाया कि इन प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए पूरा मैटीरियल पाकिस्तानी सोशल मीडिया ग्रुप ने दिया था। बीते 10 दिनों में पाकिस्तान के चैनल ने असम के चुनाव पर ही 11 टॉक शो किए हैं। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था।'

उन्होंने कहा कि हर टॉक शो में अंत में यही कहा जाता था कि कांग्रेस को जीतना चाहिए। कल जो प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई, उसमें भी निश्चित तौर पर पाकिस्तान का लिंक है। मुझे भरोसा है कि कानूनी एजेंसियां इस मामले की जांच में यह तथ्य भी ध्यान रखेंगी। उन्होंने कहा कि सामान्य तौर पर ऐसा होता है कि जब आप फर्जी दस्तावेजों के जरिए जनता में कोई मुद्दा उठाते हैं तो आपके खिलाफ आईपीसी की धारा 420 और 468 लगती है। लेकिन अब भारतीय न्याय संहिता है और इसमें सख्त प्रावधान हैं। असम के सीएम ने कहा कि यदि कोई फर्जी दस्तावेजों के जरिए चुनाव परिणाम को प्रभावित करने का प्रयास करता है तो उसमें सख्त सजा है। यहां तक कि उम्रकैद भी हो सकती है। मेरी पत्नी ने कल एक एफआईआर दर्ज करा दी है।

रायपुर को मिलेगी जाम से मुक्ति! 360 करोड़ की लागत से सड़कों पर बनेंगे 4 नए फ्लाईओवर

रायपुर , एजेंसी। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के लिए बड़ी गुड न्यूज है। रायपुर में इस साल चार नए फ्लाईओवर के निर्माण कार्य शुरू किए जाएंगे। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा इन परियोजनाओं के लिए कुल 360 करोड़ 35 लाख 93 हजार रुपये के बजट की स्वीकृति दी गई है। इन फ्लाईओवर के बनने से शहर के व्यस्त यातायात को तेज, सुगम और सुव्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी।

प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री एवं पीडब्ल्यूडी मंत्री अरुण साव के निर्देश पर विभाग ने लंबे समय से लंबित इन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। शहरवासियों द्वारा काफी लंबे समय से इन फ्लाईओवर की मांग की जा रही थी।

इन स्थानों पर बनेंगे फ्लाईओवर -वभागीय जानकारी के अनुसार, जी.ई. रोड पर गुरु तेग बहादुर उद्यान से तेलीबांधा स्थित नेताजी सुभाष चौक तक फ्लाईओवर निर्माण के लिए 172 करोड़ 86 लाख 28 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके अलावा रिंग रोड क्रमांक-2 में सोनडोंगरी चौक पर ओवरपास के लिए 43 करोड़ 89 लाख 17 हजार रुपये मंजूर किए गए हैं। इसी तरह वी.आई.पी. रोड स्थित फुंडहर चौक में ओवरपास निर्माण हेतु 56 करोड़ 7 लाख 35 हजार रुपये तथा अटल पथ एक्सप्रेसवे पर फुंडहर चौक में ग्रेड सेपरेटर के लिए 87 करोड़ 53 लाख 13 हजार रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

सड़कों पर जाम होगा कम

अरुण साव ने कहा कि राज्य सरकार रायपुर में यातायात व्यवस्था को तेज, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए गंभीरता से काम कर रही है। फ्लाईओवर एवं सड़कों के चौड़ीकरण से ट्रैफिक जाम में कमी आएगी और आवागमन अधिक सुगम होगा। उन्होंने कहा कि नागरिकों को बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

हिमाचल के ऊना में अमरूद तोड़ने पर पूर्व फौजी ने मासूम को दी 'तालिबानी' सजा

ऊना , एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के ऊना के गांव बहडाला में एक रिटायर्ड फौजी द्वारा अमरूद तोड़ने पर एक मासूम प्रवासी बच्ची को रेलिंग से बांध कर अमानवीय यातना देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी रिटायर्ड फौजी पर बीएनएस की धारा 115(2), 127(2) और जुवेनाइल जस्टिस एक्ट की धारा-75 के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसपी ऊना सचिन हीरामठ ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि यह कृत्य न केवल गैरकानूनी है, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के भी विपरीत है। पीड़ित बच्ची का क्षेत्रीय अस्पताल ऊना में मेडिकल भी करवाया गया है। अभी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। 5 अप्रैल को ऊना के बहडाला गांव में एक रिटायर्ड फौजी के घर लगे पेड़ से अमरूद तोड़ने पर इस बच्ची को तालिबानी सजा दी गई। आरोपी रिटायर्ड फौजी ने पीड़िता को घर के अंदर सीढ़ियों पर लगी लोहे की रेलिंग से बांधकर पीटा। मर्चेंट नेवी में कार्यरत कैप्टन रोहित जसवाल जब मौके से गुजर रहे थे तो उन्होंने बच्ची को एक घर में सीढ़ियों से बंधी हुई देखा और तुरंत मौके पर पहुंच गए। उन्होंने आरोपी से बच्ची को छोड़ने के लिए भी कहा, लेकिन आरोपी अपनी जिद पर अड़ा रहा।

सुनेत्रा पवार की गुहार गई बेकार

कांग्रेस ने बारामती उपचुनाव के लिए घोषित किया उम्मीदवार

मुंबई, एजेंसी। कांग्रेस ने बारामती विधानसभा उपचुनाव के लिए एडवोकेट आकाश विजयराव मोरे को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। आकाश मोरे महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमिटी के सचिव हैं और उनके पिता विजयराव मोरे महाराष्ट्र विधान परिषद के पूर्व सदस्य रह चुके हैं। इससे पहले, महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष सुनेत्रा पवार ने रविवार को राज्य कांग्रेस प्रमुख हर्षवर्धन सपकाल को फोन किया था। सुनेत्रा ने उनसे बारामती विधानसभा क्षेत्र में उनका निर्विरोध उपचुनाव सुनिश्चित करने का आग्रह किया। सुनेत्रा पवार बारामती सीट से चुनाव लड़ रही हैं।

एक दिन पहले सुनेत्रा पवार ने 23 अप्रैल को होने वाले उपचुनाव में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे का समर्थन मांगा था। इस सीट पर चुनाव सुनेत्रा के पति और तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजित पवार की जनवरी में विमान दुर्घटना में मृत्यु के कारण हो रहा है। ठाकरे की पार्टी ने अभी तक सुनेत्रा पवार की मांग पर शिवसेना (यूबीटी) का रुख स्पष्ट नहीं किया है।

एनसीपी (एसपी) का क्या है प्लान: विपक्षी एनसीपी (शरदचंद्र पवार) ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह बारामती क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले दिवंगत अजित पवार के सम्मान में उपचुनाव नहीं लड़ेगी। वर्तमान में राज्यसभा सदस्य सुनेत्रा

पवार सोमवार को उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल करेंगी। सूत्रों ने बताया कि सोमवार को पुणे जिले के बारामती में पार्टी उम्मीदवार की ओर से नामांकन दाखिल करने के दौरान सपकाल उपस्थित रहेंगे। अजित पवार बारामती से 8 बार विधायक रहे हैं।

वहीं, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने पार्टी के भीतर सत्ता संघर्ष और दरार की अटकलों को पूरी तरह से खारिज किया। पार्टी ने कहा कि एनसीपी प्रमुख अजित पवार के निधन के बाद निर्वाचन आयोग के साथ शीर्ष नेताओं के संवाद को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जा रहा है। राकांपा ने उन आरोपों का भी खंडन किया, जिनमें वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे पर पार्टी पर कब्जा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया गया था।

कोबरा सांप गले में लपेटकर खेलना पड़ा भारी, डसने से हो गई मौत

करनाल , एजेंसी। करनाल जिले के गांव संधीर में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां कोबरा सांप से खेलना एक शख्स के लिए जानलेवा साबित हुआ. राजेंद्र नाम के व्यक्ति की जहरीले कोबरा के डसने से मौत हो गई. बताया जा रहा है कि वह पहले भी कई बार सांप पकड़कर उनसे खेलता था, लेकिन इस बार उसकी यही आदत उस पर भारी पड़ गई.

गांव के सरपंच सतीश ने बताया कि श्मशान घाट पर निर्माण कार्य चल रहा था. इसी दौरान मजदूरों ने एक काले रंग के सांप को देखा और घबरा गए. इसके बाद उन्होंने तुरंत सांप पकड़ने वाले सतीश फफड़ाना को फोन किया. उन्होंने आधे घंटे में पहुंचने की बात कही थी.

कोबरा सांप से खेलना एक शख्स के लिए जानलेवा साबित हुआ। हरियाणा में करनाल जिले के गांव संधीर में राजेंद्र को कोबरा ने डस लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। वह पहले भी कई बार सांप पकड़कर उनसे खेलता था, लेकिन इस बार उसकी यही आदत उस पर भारी पड़ गई। राजेंद्र पहले भी कई बार सांप पकड़कर घर ले आता था और बाद में जंगल में छोड़ देता था। इस बार वह नशे में था और इसी लापरवाही ने उसकी जान ले ली। उसके इसी खतरनाक शौक के कारण गांव के लोगों ने उसका नाम जहरीला रख दिया था। वह मजदूरी का काम करता था और अपने भाई के साथ रहता था।

गांव के सरपंच सतीश ने बताया कि श्मशान घाट पर निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान मजदूरों ने एक काले रंग के सांप को देखा। उन्होंने तुरंत स्नेक कैचर सतीश फफड़ाना को फोन किया। उन्होंने आधे घंटे में पहुंचने की बात कही थी। जब तक स्नेक कैचर मौके पर पहुंचता, उससे पहले ही राजेंद्र वहां पहुंच गया। मजदूरों ने उसे रोकने की

कोशिश भी की, लेकिन उसने किसी की नहीं सुनी। राजेंद्र ने सांप को पकड़ लिया और उसे गले में डाल लिया।

राजेंद्र सांप को हाथ में लेकर रस्सी की तरह घुमाने भी लगा। इसी दौरान कोबरा ने अचानक राजेंद्र के हाथ पर काट लिया। जब तक लोग कुछ समझ पाते, वह वहां से चला गया। कुछ देर बाद जब गांव के लोग और स्नेक कैचर मौके पर पहुंचे। सांप को पास की दीवार के पास से सतीश फफड़ाना ने पकड़ लिया। जब ग्रामीण राजेंद्र के घर पहुंचे, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

कोबरा सांप दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में पाया जाता है। भारत, चीन, इंडोनेशिया और थाईलैंड सहित कई देशों में कोबरा की विभिन्न नस्लें पाई जाती हैं। ये सांप आमतौर पर जंगलों, घास के मैदानों और इंसानी बस्तियों के आसपास भी पाए जाते हैं। कोबरा बेहद जहरीला सांप होता है।

सैमसंग इंडिया ने लॉन्च किया 5 मोशन विंड के साथ बीस्पोक एआई विंडफ्री प्रो एसी, प्रीमियम होम कूलंग को मिला नया अंदाज

गुरुग्राम: भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज होम कूलिंग में अपने नए प्रोडक्ट - 5 मोशन विंड के साथ बीस्पोक एआई विंडफ्री प्रो एयर कंडीशनर लॉन्च किया है। यह प्रीमियम एयर कंडीशनर आधुनिक लग्ज़री डिजाइन के साथ आता है, जो आज के जमाने के लिविंग स्पेस के लिए खासतौर पर तैयार किया गया है। इसका सुंदर और मिनिमलिस्ट डिजाइन किसी भी आधुनिक इंटीरियर में आसानी से घुल-मिल जाता है और स्थान की खूबसूरती बढ़ाता है। इस एसी में एडवांस्ड मोशन विंड टेक्नोलॉजी, एआई-पावर्ड कूलिंग इंटेलिजेंस और विंडफ्री कूलिंग का संयोजन है जोकि लग्ज़री और पर्सनलाइज्ड कूलिंग अनुभव देता है। इसका यूनिक मोशन ब्लेड डिजाइन एयरफ्लो को ऑप्टिमाइज करता है, जिससे वातावरण पूरी तरह साफ होता है और मीडियम से बड़े साइज के स्पेस में कुशल एयर क्लीनिंग मिलती है। सैमसंग इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट - डिजिटल अप्लायंसेज, घुफ़्रान आलम ने कहा, सैमसंग भारत में अपनी 30वीं सालगिरह मना रहा है, और कंपनी ने नए-नए प्रोडक्ट विकसित करना और ग्राहकों को उनकी जरूरतों के मुताबिक बेहतरीन समाधान देना जारी रखा है। यहां पड़ने वाली चिलचिलाती गर्मी में उपभोक्ता सिर्फ कूलिंग नहीं, बल्कि इंटेलिजेंट, पर्सनलाइज्ड और एनर्जी-एफिशिएंट समाधान चाहते हैं। हमारा नया बीस्पोक एआई विंडफ्री प्रो एयर कंडीशनर प्रिसीजन एयरफ्लो और स्मार्ट टेक्नोलॉजी को जोड़कर तेज कूलिंग, ड्राफ्ट-फ्री कम्फर्ट और बिजली की बेहतर बचत देता है।

सैमसंग की एडवांस्ड मोशन विंड तकनीक कमरे में हवा की दिशा और स्पीड को अपने आप एडजस्ट करती है, जिससे ठंडक हर कोने में संतुलित और आरामदायक बनी रहती है। इसमें पांच अलग-अलग एयरफ्लो मोड मिलते हैं—जैसे मैक्स विंड, जो तुरंत तेज़ ठंडक देता है, और सराउंड विंड, जो हवा को पूरे कमरे में समान रूप से फैलाता है। वहीं, हल्की और सॉफ्ट ठंडक के लिए विंडफ्री कूलिंग दिया गया है, जिसमें 23,000 माइक्रो-होल्स के जरिए हवा बिना झोंके के धीरे-धीरे फैलती है, जिससे स्टिल एयर जैसा आरामदायक अनुभव मिलता है।

5 मोशन विंड के साथ बीस्पोक एआई विंड फ्री प्रो एयर कंडीशनर में एआई फास्ट एवं कम्फर्ट कूलिंग फीचर है, जो तापमान, नमी और कमरे के साइज़ का बुद्धिमानी से विश्लेषण करके अपने आप सबसे उपयुक्त कूलिंग मोड चुन लेता है।

इस गर्मी समझदारी से खाएँ इस प्रोटीन से भरपूर डाइट के साथ

नईदिल्ली। गर्मी इस बार जल्दी आ गई है, और बीच ट्रिप्स सामने हैं, ऐसे में अपनी फिटनेस रूटीन शुरू करने का यह बिल्कुल सही समय है। जहाँ जिम सेशन ज़रूरी हैं, वहीं डाइट भी स्वस्थ शरीर का वजन बनाए रखने और उसे बेहतर आकार देने में उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। रितिका समद्दार, रीजनल हेड डाइटेटिक्स मैक्स हेल्थकेयर - नई दिल्ली कैलिफ़ोर्निया बादाम, ग्रीक योगर्ट और सैल्मन से भरपूर इस आसान, प्रोटीन से भरपूर प्लान की सिफारिश करती हैं।

सुबह की शुरुआत: कैलिफ़ोर्निया बादाम और उबले अंडे- अपने दिन की शुरुआत कुछ कैलिफ़ोर्निया बादाम के साथ करें। प्रोटीन, हेल्दी फैट, विटामिन ई और मैग्नीशियम से भरपूर ये बादाम ऊर्जा के स्तर को बनाए रखने में मदद करते हैं, बिना अचानक ऊर्जा बढ़ने के। यह किसी भी फिटनेस-फोकस्ड डाइट के लिए एक बेहतरीन जोड़ हैं। इन्हें दो उबले अंडों के साथ मिलाएँ ताकि आपको पूरा प्रोटीन मिल सके। यह कॉम्बिनेशन पोर्टेबल, पेट भरने वाला और व्यस्त सुबहों के लिए परफेक्ट है।

दोपहर का भोजन: ग्रिल्ड चिकन ब्रेस्ट सलाद- ग्रिल्ड चिकन ब्रेस्ट को मिक्स्ड ग्रीन्स, चेरी टमाटर और खीरे के साथ टॉस करें। यह हेल्दी मील आपको लीन प्रोटीन, फाइबर और सब्ज़ियों से हाइड्रेशन देता है, जिससे आप हल्का महसूस करें और दोपहर तक ताजगी और संतुष्टि बनी रहे।

शाम का नाश्ता: चिया सीड्स के साथ ग्रीक योगर्ट- दोपहर के अंत में अपनी ऊर्जा को फिर से बढ़ाएँ, एक टीस्पून चिया सीड्स के साथ ग्रीक योगर्ट के साथ। यह नाश्ता आपके पेट के स्वास्थ्य के लिए प्रोबायोटिक्स, लंबे समय तक ऊर्जा और ताज़गी देने वाला ठंडक प्रभाव प्रदान करता है।

रामा ग्रुप ने रायपुर में 'रामा ईको लग्ज़री फ्लोर्स' लॉन्च किया

रायपुर। रामा ग्रुप ने अपने फ्लैगशिप रेसिडेंशियल प्रोजेक्ट 'रामा ईको' के तहत एक नए प्रीमियम फेज़ 'रामा ईको लग्ज़री फ्लोर्स' के लॉन्च की घोषणा की है। इस प्रोजेक्ट को RERA अप्रूवल मिल चुका है, जो एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन है। इसके साथ ही शंकर नगर, रायपुर के प्रमुख रेसिडेंशियल एरिया में 'रामाइ 'कोलग्ज़री फ्लोर्स'अल्ट्रा लक्ज़री अपार्टमेंट की बुकिंग शुरू हो गई है।

नई दिल्ली के जाने-माने आर्किटेक्ट राजीव अग्रवाल (राजीव अग्रवाल आर्किटेक्ट्स) द्वारा डिजाइन किया गया यह प्रोजेक्ट मॉडर्न और रिफाइंड अर्बन होम्स के लिए जाना जाता है। वहीं, लैंडस्केप डिजाइनर, STGK, योकोहामा, जापान केस्टूडियो द्वारा तैयार किया गया है, जो अपने क्रॉस-डिसिप्लिनरी अप्रोच के लिए पहचाना जाता है। यह प्रोजेक्ट रेसिडेंट्स को एक प्राइवेट और एलीवेटेड लिविंग एक्सपीरियंस देने के उद्देश्य से बनाया गया है। 'रामा ईको लग्ज़री फ्लोर्स' की खास बात यह है कि हर फ्लोर पर सिर्फ एक ही बड़ा अपार्टमेंट (4 & 5 BHK) दिया गया है, जिससे रेसिडेंट्स को पूरी प्राइवेसी और एक्सक्लूसिविटी मिलती है। इस प्रोजेक्ट में कुल 16 थॉटफुली प्लान्ड टावर्स हैं, जिनमें हर टावर में 7 फ्लोर्स हैं और कुल मिलाकर 112 अपार्टमेंट्स हैं। यह लो-डेंसिटी लिविंग कॉन्सेप्ट को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इन अपार्टमेंट्स का साइज लगभग 7,100 स्क्वायर फीट से 12,800 स्क्वायर फीट तक है, जिनमें बड़े लिविंग एरियाज, बेडरूम्स और किचन स्पेसेस दिए गए हैं। साथ ही 12 फीट सीलिंग हाइट घर को और भी स्पेशियस और एयरी फील देती है।

हर रेसिडेंस में प्राइवेट लिफ्ट दी गई है, जिससे डायरेक्ट एक्सेस और प्राइवेसी सुनिश्चित होती है। हर टावर में स्मूथ ऑपरेशन के लिए 8 लिफ्ट्स की सुविधा भी है। इस प्रोजेक्ट में 7वें फ्लोर पर एक एक्सक्लूसिव पेंट हाउस भी है, जहां स्काईलाइट के जरिए नैचुरल लाइट फेयर में आती है,जिस मे रेसिडेंट्स को लगभग 4,500 स्क्वायर फीट की प्राइवेट टैरेस एक्सक्लूसिव एक्सेस भी मिलता हैं, जो लीजर टाइम और स्मॉल गैदरिंग्स के लिए आइडियल है।

ब्रीफ न्यूज

दिग्गज क्रिकेटर डेविड वॉर्नर गिरफ्तार

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर डेविड वॉर्नर पर ड्रिंक एंड ड्राइव का गंभीर आरोप लगा है। न्यू साउथ वेल्स पुलिस के मुताबिक, रविवार शाम करीब साढ़े पांच बजे मारूब्रा इलाके में रैंडम ब्रीथ टेस्टिंग के दौरान वॉर्नर को रोका गया। पुलिस ने बयान में बताया कि वॉर्नर की कार टेस्टिंग पॉइंट से पहले ही रुक गई थी, जिसके बाद अधिकारियों ने उन्हें चेक किया। रोडसाइड टेस्ट में वॉर्नर का रिजल्ट पॉजिटिव आया। इसके बाद उन्हें पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां दोबारा टेस्ट में उनका अल्कोहल लेवल 0.104 पाया गया। यह ऑस्ट्रेलिया की कानूनी सीमा से दोगुने से भी ज्यादा बताया जा रहा है। इस मामले में उन्हें कोर्ट में पेश होने का नोटिस जारी किया गया है। डेविड वॉर्नर को डाउनिंग सेंटर लोकल कोर्ट में पेश होना होगा। फिलहाल इस मामले ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है, क्योंकि वॉर्नर का नाम हमेशा बड़े खिलाड़ियों में गिना जाता रहा है।

20 अप्रैल के बाद ही खेल पायेंगे दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज स्टार्क

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिल्स टीम के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अभी फिट नहीं हैं और ऐसे में वह अगले तीन मैचों में नहीं खेलेगे। दिल्ली कैपिटल्स के लिए ये करारा झटका है क्योंकि स्टार्क उसके सबसे अच्छे गेंदबाज हैं। दिल्ली को बुधवार को गुजरात टाइटंस से खेलना है जिसमें उसे स्टार्क की कमी खलेगी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार स्टार्क इस समय कंधे और कोहनी की चोट से जूझ रहे है। माना जा रहा है कि वह 20 अप्रैल के बाद ही खेलने के लिए फिट हो पायेंगे। वहीं इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स को तीन मैच खेलने हैं जिसमें उसे इस तेज गेंदबाज के बिना उतरना होगा। उसे 8 अप्रैल को गुजरात टाइटंस, 11 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स और 18 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का मुकाबला करना है। स्टार्क के बाहर होने के बाद भी दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने शुरुआती दो मैच जीत लिए हैं जिससे उसका मनोबल मजबूत हुआ है।

मद्रास हाई कोर्ट ने विधानसभा चुनाव के दौरान आईपीएल पर रोक से इंकार किया

चेन्नई। मद्रास हाई कोर्ट ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के दौरान आईपीएल रोकने से इंकार कर दिया है। मद्रास हाईकोर्ट ने चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में होने वाले आईपीएल मैच के जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान ये बात कही। इससे पहले मैचों की तारीखों को राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए पुनर्निर्धारित करने की मांग की गई थी।

हाई कोर्ट की पीठ ने कहा कि याचिका दायर होने के बाद से ही एक मैच पहले ही हो चुका है। इस मैच में किसी प्रकार से नियमों का उल्लंघन नहीं हुआ। कोर्ट ने यह भी कहा कि निर्वाचन आयोग आवश्यक कदम उठा रहा है और अगर किसी प्राकर को कोई उल्लंघन होता है तो याचिकाकर्ता आयोग से संपर्क कर सकता है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा, 'आपकी याचिका के बाद भी एक मैच हुआ। आप इसमें नियमों का कोई उल्लंघन नहीं दिखा पाए। आपने भी मैच देखा होगा और आनंद लिया होगा। इसलिए अगले मैचों का भी आनंद लीजिए। '

बीसीबी नेतृत्व में बदलाव: बांग्लादेश सरकार ने तमीम इकबाल को बनाया बोर्ड का अध्यक्ष

अमीनुल की बादशाहत खत्म

ढाका। बांग्लादेश सरकार ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के नए अध्यक्ष की नियुक्ति की है। तमीम इकबाल को अमीनुल इस्लाम बुलबुल की जगह बोर्ड की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बांग्लादेश सरकार ने पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड यानी बीसीबी का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह फैसला मंगलवार को बीसीबी के अमीनुल इस्लाम बुलबुल के नेतृत्व वाली बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की समिति को भंग करने के बाद लिया गया।

बीसीबीएन बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष पद से होगी अमिनुल इस्लाम की छुट्टी ! तमीम इकबाल बन सकते हैं दावेदार बांग्लादेश की अकल आई ठिकानेः बीसीबी ने बीसीसीआई से किया संपर्क, सीमित ओवर की सीरीज खेलने का दिया प्रस्ताव आईपीएल 2026: बांग्लादेश की अक्ल आई ठिकाने ! आईपीएल मुकाबलों का करेगा प्रसारण; मुस्तफिजुर विवाद के बाद लगाया था बैन शाकिब अल हसन की होगी वतन वापसी, क्या फिर खेलेंगे बीसीबीएन के लिए क्रिकेट? जानिए क्या है मामला।

क्या है पूरा मामला

ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश की सरकार ने यह कदम एक पांच सदस्यीय जांच समिति की सिफारिशों के बाद उठाया, जिसने पिछले साल अक्तूबर में हुए बीसीबी चुनावों में अनियमितताओं और आरोपों की जांच की थी। 37 वर्षीय तमीम इकबाल अब बीसीबी के सबसे युवा अध्यक्ष बन गए हैं। वह 11 सदस्यीय एक एड-हॉक समिति का नेतृत्व करेंगे। इस समिति में मिनहजुल अबेदिन (पूर्व कप्तान), अतहर अली खान (पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर), राशना इमाम, मिर्जा येसिर अब्बास, सैयद इब्राहिम अहमद, इसराफिल खासरू, तंजिल चौधरी, सलमान इस्पहानी, रफीकुल इस्लाम और फहीम सिन्हा शामिल हैं। सरकार और एनएससी का बयान नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल (एनएससी) के खेल निदेशक मोहम्मद अमीनुल एहसान ने कहा कि, बोर्ड का गठन सही तरीके से नहीं हुआ था। यह अपने कार्य सही ढंग से करने में सक्षम नहीं था। उन्होंने यह भी बताया कि इस फैसले की जानकारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को दे दी गई है, और उम्मीद जताई कि खेल की वैश्विक संस्था इस निर्णय को स्वीकार करेगी।

आईपीएल में राजस्थान ने मुंबई को 151 का टारगेट दिया

इंडियंस के 5 बैटर्स पवेलियन लौटे, बिश्नोई ने पंड्या-तिलक को आउट किया

गुवाहाटी राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के 13वें मैच में मुंबई इंडियंस को 151 रन का टारगेट दिया है। गुवाहाटी में मुंबई ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। राजस्थान ने 11 ओवर की पारी में तीन विकेट पर 150 रन बनाए।

जवाबी पारी में मुंबई ने 7 ओवर में 5 विकेट पर 75 रन बना लिए हैं। नमन धीर और इम्पैक्ट प्लेयर शेरफन रदरफोर्ड क्रीज पर हैं। तिलक वर्मा 14, हार्दिक पंड्या 9, रोहित शर्मा 5, सूर्यकुमार यादव 6 और रायन रिकेल्टन 8 रन बनाकर आउट हुए।

राजस्थान की ओर से यशस्वी जायसवाल ने 32 बॉल पर 77 रनों की पारी खेली। उन्होंने 10 चौके और 4 छक्के लगाए। वहीं, वैभव सूर्यवंशी ने 14 बॉल पर 39 रन बनाए। दोनों 80 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप हुई। अल्लाह गजनफर ने 2 और शार्दूल ठाकुर ने एक विकेट लिया। मैच का स्कोरबोर्ड

दोनों टीमों की प्लेइंग

मुंबई इंडियंसः रोहित शर्मा, रायन रिकेल्टन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), नमन धीर, शार्दूल ठाकुर, दीपक चाहर, अल्लाह गजनफर, जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट। इम्पैक्ट प्लेयरः शेरफन रदरफोर्ड।

राजस्थान रॉयल्सः यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रियान पराग (कप्तान), शिमरोन हेटमायर, रवींद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे और संदीप शर्मा। इम्पैक्ट प्लेयरः रवि बिश्नोई।

मुंबई ने शेरफन रदरफोर्ड को इम्पैक्ट प्लेयर बनाया

तिलक वर्मा के आउट होने के बाद मुंबई इंडियंस ने शेरफन रदरफोर्ड को इम्पैक्ट प्लेयर बनाया। रदरफोर्ड को अल्लाह गजनफर की जगह बैटिंग में उतारा गया। **बिश्नोई ने पंडया और तिलक को आउट किया**

5वें ओवर में मुंबई ने दो विकेट गंवाए। रवि बिश्नोई ने तीसरी बॉल पर कप्तान हार्दिक पंड्या (9 रन) को यशस्वी जायसवाल के हाथों कैच कराया। उसके बाद छठी बॉल पर तिलक वर्मा को शिमरोन हेटमायर से कैच कराया। मुंबई ने पावरप्ले में 3 विकेट गंवाए

151 रन का टारगेट चेज कर रही मुंबई की शुरुआत खराब रही। टीम ने 3.2 ओवर के पावरप्ले में 30 रन बनाने में टॉप-3 विकेट गंवा दिए। रोहित शर्मा 5, सूर्यकुमार यादव 6 और रायन रिकेल्टन 8 रन बनाकर आउट हुए।

सट्टेबाजी का दबाव खिलाड़ियों को तोड़ रहा

टारगेट पूरे करने के लिए एथलीट्स को परिजनों की हत्या की धमकी

द न्यूयॉर्क । एक कॉलेज बास्केटबॉल खिलाड़ी मैच शुरू होने से पहले अपना मोबाइल खोलता है। स्क्रीन पर अजनबी का संदेश दिखता है,'सुनो, यह मजाक नहीं है। अगर तुमने आज 22 पॉइंट्स व 12 बाउंड्स नहीं बनाए, तो तुम्हारे सभी करीबी मार दिए जाएंगे।' यह डरावना संदेश किसी फिल्म की पटकथा नहीं, बल्कि 2024 के एनसीएए (नेशनल कॉलेजिएट एथलेटिक एसोसिएशन) की स्टडी का हिस्सा है। उस खिलाड़ी ने अभी कोर्ट पर कदम भी नहीं रखा था, न ही कोई शॉट मिस किया था। उसका कसूर सिर्फ इतना था कि सट्टेबाजी की दुनिया में उसकी काबिलियत पर 'दांव' लगा था। हालांकि वह मैदान में उतरा और स्वाभाविक खेलने की कोशिश भी की। एक्सपर्ट कहते हैं,हम इस समय 'मार्च मैडनेस' के बीच में हैं- जो अमेरिकी खेलों में सबसे अधिक सट्टेबाजी वाला आयोजन है। अनुमान है कि अकेले इस साल के टूर्नामेंट पर 25 हजार करोड़ रुपए दांव पर लगे हैं। हार्वर्ड बिजनेस स्कूल की प्रोफेसर और मनोवैज्ञानिक एमी कडी कहती हैं,'आज के एथलीट सिर्फ शारीरिक थकान से नहीं, बल्कि नए मनोवैज्ञानिक खतरे से जूझ रहे हैं, जिसे 'सोशल-इवैल्यूएटिव थ्रेट' (सामाजिक परख का खतरा) कहते हैं। यह वह तनाव है जो दूसरों द्वारा नकारात्मक निर्णय लिए जाने या अपमानित होने के डर से पैदा होता है।

आईपीएल में आज होगा दिल्ली कैपिटल्स और गुजराज टाइटंस में मुकाबला

शाम 7 :30 बजे से होगा मैच

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बुधवार को अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला गुजराज टाइटंस से होगा। यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में होने वाले इस मैच में दिल्ली की टीम को अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। उसका लक्ष्य इस मैच को किसी भी प्रकार जीतना रहेगा। वहीं दूसरी ओर गुजरात के कप्तान शुभमन गिल की टीम भी इस मैच को जीतकर लय हासिल करना चाहेगी। अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच ही 7 मुकाबले हुए हैं जिसमें से 4 गुजरात जबकि 3 दिल्ली ने जीते हैं। दोनो के बीच पिछला मुकाबल साल 2025 में हुआ था जिसमें गुजरात जीती थी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

टीमें : **दिल्ली कैपिटल्स** : अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, करुण नायर, केएल राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, माधव तिवारी, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, बेन डकेट, औकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, साहिल पारख।

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, शाहरुख खान, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुथार, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कैगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, जयंत यादव, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बैंटन, पृथ्वी राज येरा, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, अरशद खान।

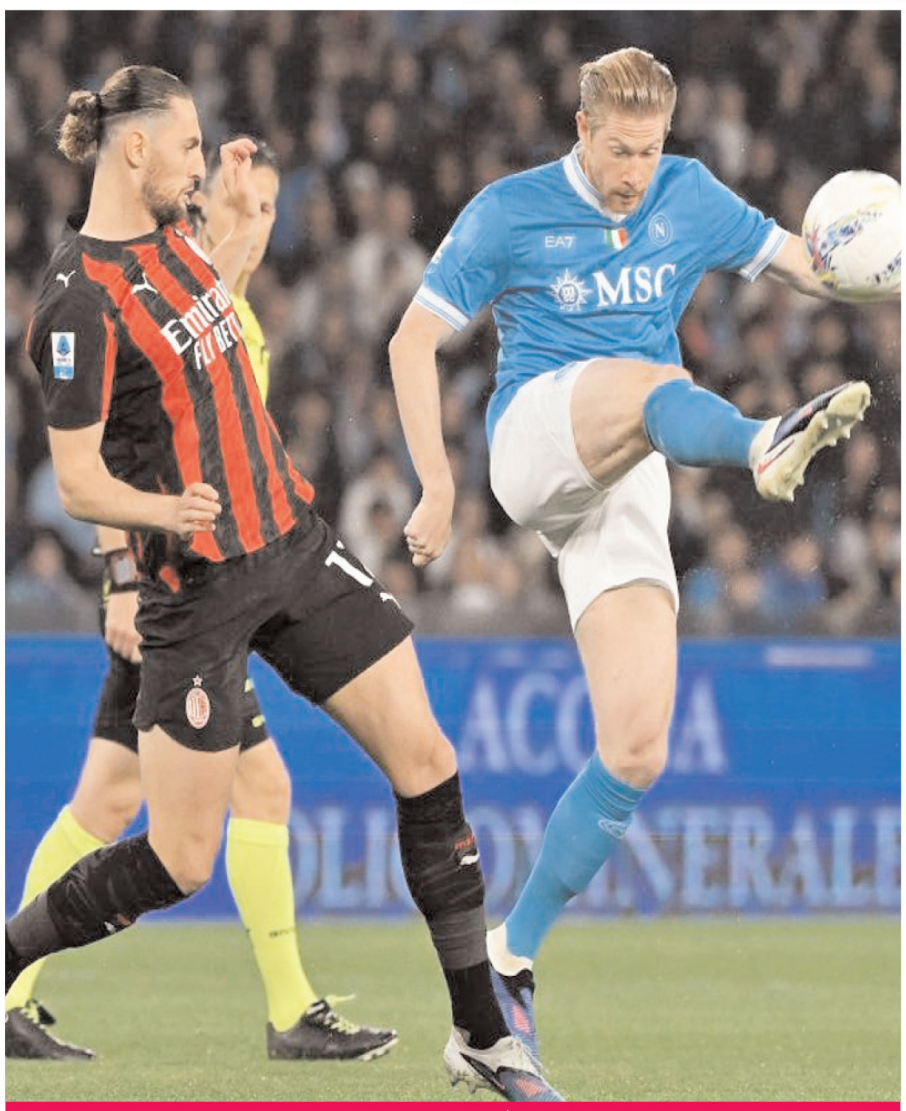

नेपल्स में सीरीज ए फुटबॉल मैच में खेलते हुए नेपोली के केविन डी ब्रूने और एसी मिलान के एड्रियन रोबियोट।

अब तक चार बॉक्सर फाइनल में, निखत जरीन और लवलीना टूर्नामेंट से बाहर

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिपः प्रीति, प्रिया और अरुंधति फाइनल में पहुंचीं

मंगोलिया। मंगोलिया के उलानबटोर में चल रही एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में भारत के लिए सोमवार का दिन मिला-जुला रहा।

प्रीति पवार, प्रिया और अरुंधति चौधरी ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बना ली है। अब तक भारत की चार मुक्केबाज फाइनल में पहुंच चुकी हैं। प्रीति पवार ने पेरिस ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट को एकतरफा मुकाबले में हराकर गोल्ड मेडल की उम्मीद मजबूत कर दी है।

वहीं, निखत जरीन और लवलीना बोरगोहेन को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा, जिससे उन्हें ब्रॉन्ज मेडल से ही संतोष करना पड़ा।

वहीं,75 किलोग्राम कैटेगरी में लवलीना बोरगोहेन को उज्बेकिस्तान की अजीजा जोकिरोवा ने 5-0 से मात दी। इसके अलावा 80 प्लस वेट में अनुभवी पूजा रानी भी कजाकिस्तान की नादेज्दा रयाबेट्स से हारकर बाहर हो गई।

बिजली कटने से अंकुशिता बोरो को अंकों के आधार पर हार मिली

65 किलोग्राम वेट में अंकुशिता बोरो और चीनी ताइपे की निएन-चिन चेन के बीच मैच के दौरान पहले राउंड के बाद बिजली गुल हो गई। काफी देर तक बाधा रहने के कारण मैच का फैसला पॉइंट्स के आधार पर किया गया, जिसमें अंकुशिता को 0-3 से हार का सामना करना पड़ा।

आज दो कैटगिरी का सेमीफाइनल

चैंपियनशिप के अगले दौर में 7 अप्रैल को भारत की दो और मुक्केबाज (48द्मद्द और 57द्मद्द कैटेगरी) अपने सेमीफाइनल मुकाबले खेलेंगी।

प्रीति ने पेरिस ओलिंपिक मेडलिस्ट को शिकस्त दी

54 KG वेट कैटगिरी में प्रीति पवार ने पेरिस ओलिं110पक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट कोरिया की एजी इम को 5-0 से हराया। वर्ल्ड बॉक्सिंग कप की गोल्ड मेडलिस्ट प्रीति ने तीनों राउंड में अपना नियंत्रण बनाए रखा और विपक्षी खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया। अब फाइनल में उनका मुकाबला चीनी ताइपे की हुवांग हिसियाओ-वेन से होगा, जो तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन और टोक्यो ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट हैं।

प्रिया और अरुंधति भी फाइनल में: गोल्ड के लिए भिड़ेंगी

60 किलोग्राम वेट कैटगिरी में प्रिया ने स्थानीय खिलाड़ी मंगोलिया की नामून मोंखोर को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया। अब वे फाइनल में उत्तर कोरिया की उन ग्योंग वॉन से भिड़ेंगी। वहीं, 70 किलोग्राम कैटेगरी में अरुंधति चौधरी ने उज्बेकिस्तान की ओयशा तोइरोवा को 4-1 से हराया। फाइनल में उनका सामना कजाकिस्तान की बकित सेदिश से होगा।

निखत और लवलीना को ब्रॉन्ज मेडल

निखत जरीन और लवलीना बोरगोहेन को ब्रॉन्ज मेडल से संतुष्ट होना पड़ा। उन्हें सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। 51 केजी वेट में निखत जरीन को मौजूदा ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट चीन की वू यू ने 5-0 से हराया। वू यू इस समय दुनिया की सबसे आक्रामक मुक्केबाजों में से एक मानी जाती हैं।

पर्वतारोही अमिता श्रीवास एवरेस्ट फतह के लिए आज होंगी रवाना

काठमांडू से शुरू होगा अभियान, माउंट एवरेस्ट की चोटी पर तिरंगा फहराने का संकल्प

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

चांपा की युवा पर्वतारोही अमिता श्रीवास एक बार फिर इतिहास रचने की ओर अग्रसर हैं। वे आगामी 9 अप्रैल को विश्व की सर्वोच्च चोटी माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराने के संकल्प के साथ काठमांडू के लिए रवाना होंगी। उनके इस साहसिक अभियान से न केवल जांजगीर-चांपा जिला, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ का नाम रोशन होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अमिता श्रीवास को उनके आगामी एवरेस्ट अभियान के लिए शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की बेटियों के साहस, आत्मविश्वास और संकल्प का प्रतीक है। इसी क्रम में अमिता श्रीवास ने जांजगीर-चांपा कलेक्टर जन्मेजय महोबे से भेंट कर एवरेस्ट फ्तह कर जिले एवं प्रदेश का नाम रोशन करने का संकल्प दोहराया। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा प्रदत्त तिरंगे को माउंट एवरेस्ट की चोटी पर फहराने की बात कही। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने अमिता का उत्साहवर्धन करते हुए इसे पूरे जिले के लिए गौरव का विषय बताया और उन्हें सफल अभियान के लिए शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर महोबे ने अपेक्षा जताई कि अमिता श्रीवास अपने इस मिशन के माध्यम से स्वच्छ भारत मिशन एवं ÷स्वच्छता ही सेवा÷ जैसे अभियानों का संदेश भी अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाएंगी। अमिता ने बताया कि इससे पूर्व उन्होंने वर्ष 2021 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर माउंट किलिमंजारो को सफलतापूर्वक फ्तह किया था। उनका यह प्रयास प्रदेश की युवा पीढ़ी, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा और यह संदेश देगा कि दृढ़ इच्छाशक्ति, परिश्रम और साहस से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु आवेदन आमंत्रित, 23 अप्रैल तक करें ऑनलाइन आवेदन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कार्यालय परियोजना अधिकारी, एकीकृत बाल विकास परियोजना बेमेतरा द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों में रिक्त आंगनबाड़ी सहायिका पदों पर भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह भर्ती छत्तीसगढ़ शासन, महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों के अनुसार की जाएगी। इच्छुक एवं पात्र महिला अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। जारी विज्ञापन के अनुसार नगर पालिका बेमेतरा अंतर्गत वार्ड क्रमांक 08 (कोदवा/ओमकार्ड वार्ड) में आंगनबाड़ी सहायिका का एक पद रिक्त है, जिसके लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन रखी गई है, जिसके लिए अभ्यर्थियों को विभागीय पोर्टल https://www.e-bharti.in/ के माध्यम से पंजीयन कर आवेदन करना होगा। आवेदन करने की अंतिम तिथि 23 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है। निर्धारित कार्यक्रम के तहत प्राप्त आवेदनों की जांच, सत्यापन एवं चयन प्रक्रिया विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुसार की जाएगी। अंतिम चयन सूची जारी होने के पश्चात ही अभ्यर्थियों को नियुक्ति दी जाएगी। आंगनबाड़ी सहायिका पद के लिए अभ्यर्थी का संबंधित ग्राम/वार्ड का स्थानीय निवासी होना अनिवार्य है। केवल महिलाओं को ही इस पद हेतु पात्र माना गया है। आवेदिका की अधिकतम आयु सीमा 44 वर्ष निर्धारित की गई है, जबकि विधवा, परित्यक्ता अथवा अन्य विशेष श्रेणी की महिलाओं को नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जाएगी। शैक्षणिक योग्यता के रूप में न्यूनतम 8वीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। यदि योग्य अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होते हैं, तो शिथिल मानदंड के तहत 5वीं पास अभ्यर्थियों पर भी विचार किया जा सकता है।

वरीयता एवं अतिरिक्त अंक- चयन प्रक्रिया में अनुभव, गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार, अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग, विधवा, परित्यक्ता एवं तलाकशुदा महिलाओं को नियमानुसार अतिरिक्त अंक प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा संबंधित क्षेत्र में निवास एवं अन्य आवश्यक प्रमाण पत्रों का सत्यापन अनिवार्य होगा।

आवश्यक दस्तावेज-आवेदन के साथ अभ्यर्थियों को शैक्षणिक प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र (यदि लागू हो), गरीबी रेखा संबंधी प्रमाण पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज संलग्न करना होगा। सभी दस्तावेज स्वप्रमाणित होना अनिवार्य है।प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर पात्र अभ्यर्थियों की सूची तैयार की जाएगी। इसके पश्चात दावा-आपत्ति आमंत्रित कर उनका निराकरण किया जाएगा तथा अंतिम चयन सूची जारी की जाएगी। चयन पूरी तरह मेरिट एवं निर्धारित मानदंडों के आधार पर किया जाएगा।

कड़ी सुरक्षा के साये में बोर्ड परीक्षा, 14 थानों के 'वन टाइम लॉक' में कैद हुए 12वीं हिंदी के प्रश्न पत्र

जगदलपुर/मूक पत्रिका

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा 10 अप्रैल को आयोजित होने वाली कक्षा 12वीं की हिंदी विषय की परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग ने सुरक्षा के अभेद्य इंतजाम पूरे कर लिए हैं। इसी कड़ी में नोडल अधिकारी व डिप्टी कलेक्टर मनीष वर्मा एवं जिला शिक्षा अधिकारी बीआर बघेल के मार्गदर्शन में जिले के सभी 91 परीक्षा केंद्रों के लिए प्रश्न पत्रों के वितरण की प्रक्रिया अत्यंत सतर्कता के साथ संपन्न हुई। जगदलपुर स्थित समन्वय केंद्र, जगतु महाराज शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गहमागहमी के बीच माध्यमिक शिक्षा मंडल से

पहुंचे पार्टी अफसरों ने सीलबंद प्रश्न पत्रों के पैकेट निर्धारित केंद्राध्यक्षों को सौंपे। वितरण के पश्चात सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए केंद्राध्यक्षों और परिवहन अधिकारियों के संयुक्त समन्वय से इन सीलबंद पैकेटों को सुरक्षित पेटियों में भरकर जिले के 14 चिन्हित थानों में पहुंचाया गया। परीक्षा की शुचिता और गोपनीयता बनाए रखने के लिए इस बार विशेष सावधानी बरतते हुए इन पेटियों को 'वन टाइम लॉक' प्रणाली के साथ थानों में जमा किया गया है। पुलिस की कड़ी निगरानी में रखे गए इन प्रश्न पत्रों को अब सीधे परीक्षा के दिन ही निर्धारित प्रक्रिया के तहत निकाला जाएगा।

प्रशासन की इस मुस्तैदी और हाई-टेक सुरक्षा व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य नकल विहीन परीक्षा संपन्न कराना है, ताकि आगामी 10 अप्रैल को छात्र एक पारदर्शी वातावरण में अपनी परीक्षा दे सकें।

बैंकों की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने पुलिस का विशेष चेकिंग अभियान

सीसीटीवी, अलार्म सिस्टम व संदिग्ध गतिविधियों पर सतत निगरानी के निर्देश

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले में बैंकों की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से जांजगीर-चांपा पुलिस द्वारा विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक निवेदिता पाल के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार के कुशल मार्गदर्शन में संचालित किया गया। इस विशेष अभियान के अंतर्गत जिले के समस्त बैंकों का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस टीमों ने बैंक परिसरों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और बैंक प्रबंधकों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस द्वारा बैंकों में आने-जाने वाले लोगों पर सतत निगरानी रखने पर विशेष जोर दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बैंक प्रबंधन को निर्देशित किया कि बैंक परिसरों में लगाए गए उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे हमेशा चालू स्थिति में रहें तथा बैंक अलार्म सिस्टम को सक्रिय रखा जाए।

इसके साथ ही किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की समझाइश भी दी गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी भी आपात स्थिति में शीघ्र सूचना मिलने पर पुलिस द्वारा समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सकेगी। पुलिस का यह विशेष चेकिंग अभियान जिले में बैंकिंग सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सराहनीय कदम माना जा रहा है।

भाजपाइयों ने उत्साह से मनाया 47वां स्थापना दिवस,घर-घर फहराया पार्टी का झंडा सेवा, समर्पण, विकास और अंत्योदय के संकल्प के साथ निरंतर राष्ट्रनिर्माण में अग्रसर है भाजपा : नितेश सोनी

बेरला/बेमेतरा/मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर बेमेतरा जिले के बेरला नगर में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा उत्साहपूर्वक स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर नगर सहित विभिन्न वार्डों और घरों में पार्टी का झंडा लगाकर कार्यकर्ताओं ने संगठन के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण व्यक्त किया। स्थापना दिवस के अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा, जिला बेमेतरा के सोशल मीडिया सह-प्रभारी दाऊ नितेश सोनी ने अपने बेरला स्थित निवास पर भाजपा का ध्वज फहराकर पार्टी के संस्थापक सदस्यों एवं वरिष्ठ नेताओं

को नमन किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र धर्म को समर्पित एक परिवार है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा सेवा, समर्पण, विकास और अंत्योदय के संकल्प के साथ निरंतर राष्ट्र निर्माण के कार्य में अग्रसर है। पार्टी की नीतियां समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के उद्देश्य से कार्य करती हैं।नितेश सोनी ने कहा कि उन्हें गर्व है कि वे भारतीय जनता पार्टी के एक समर्पित कार्यकर्ता हैं और संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। स्थापना दिवस के मौके पर कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखा गया तथा सभी ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

जिले के अंतिम छोर के गांवों में पहुंचीं कलेक्टर, निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण, ग्रामीणों से संवाद कर जानी समस्याएं, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

कोंडागांव/मूक पत्रिका

कभी दुर्गम मार्गों एवं परिस्थितियों के कारण जहां पहुंचना कठिन था, वहां अब सड़क एवं अधोसरंचना निर्माण के चलते विकास कार्यों को नई गति मिल रही है। कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना बुधवार को जिले के अंतिम छोर पर स्थित ग्राम कुधुर एवं तुमड़ीवाल के दौरे पर पहुंचीं और विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन एवं निर्माण कार्यों का जायजा लिया। कलेक्टर ने ग्राम कुधुर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं एवं आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता का जायजा लिया। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया कि केंद्र का संचालन सुचारू रूप से सुनिश्चित किया जाए

तथा ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएं। साथ ही छात्रावास निर्माण हेतु चिन्हांकित भूमि का निरीक्षण कर लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को शीघ्र निर्माण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ग्राम तुमड़ीवाल में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत निर्मित सड़क से पहुंचीं और विभिन्न निर्माण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण कर प्रत्येक घर तक पेयजल की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करें। साथ ही विद्युतीकरण कार्यों की समीक्षा करते हुए शत-प्रतिशत घरों तक बिजली पहुंचाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्माणाधीन स्कूल भवन का निरीक्षण कर गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश निर्माण एजेंसी को दिए। उन्होंने नवनिर्मित सड़क का भी अवलोकन किया तथा आवश्यकतानुसार पुल-पुलिया निर्माण के संबंध में संबंधित विभाग को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं मांगों को सुना तथा आंगनबाड़ी भवन सहित अन्य आवश्यकताओं के निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, एसडीएम अजय उरांव, डिप्टी कलेक्टर किशोर शर्मा, तहसीलदार विजय प्रताप सिंह, जनपद पंचायत सीईओ उत्तम महोबिया, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता ए.आर. मरकाम, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आर के चतुर्वेदी, पीएम जी एस वाई के बलराम ठाकुर सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

हाथनेवरा व पिपरदा घाट में अवैध रेत उत्खनन व परिवहन पर छापेमारी, बिना चालक मिले हाइवा

रेत माफियाओं पर जिला प्रशासन व पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, 4 वाहन जब्त

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में जांजगीर-चांपा पुलिस एवं जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने थाना चांपा क्षेत्र अंतर्गत नदी घाटों में छापेमार कार्रवाई कर रेत माफियाओं पर शिकंजा कस दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना चांपा, बिर्रा एवं बम्हनीडीह क्षेत्र अंतर्गत स्थित हाथनेवरा घाट एवं पिपरदा घाट नदी में बड़े पैमाने पर अवैध रेत उत्खनन कर सीमावर्ती जिला सक्ती तथा जांजगीर-चांपा क्षेत्र में लगातार परिवहन किए जाने की सूचना मिली

थी। इस पर निवेदिता पाल, पुलिस अधीक्षक जांजगीर-चांपा के निर्देशन एवं उमेश कश्यप अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में कार्रवाई की गई। संयुक्त टीम द्वारा नदी घाटों में मौके पर पहुंचकर अवैध रेत भंडारण एवं परिवहन में संलिप्त रेत माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 03 हाइवा एवं 01 ट्रैक्टर वाहन जब्त किए गए। इसके अलावा पिपरदा एवं हाथनेवरा घाट नदी क्षेत्र में बिना चालक के खड़े हाइवा वाहन भी पाए गए, जिनके विरुद्ध पृथक से वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस एवं प्रशासन की इस संयुक्त कार्रवाई से रेत माफियाओं में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध रेत उत्खनन, भंडारण एवं परिवहन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।